

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026

Hero

हीरो संग त्योहार
है हर कहीं
Splendor+

TEA HOUSE

शुभ नवरात्रि

पाएं सोने का सिक्का और भी बहुत कुछ जीतने का मौका#

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹6 999^ से शुरू

एक्सक्लूसिव कॉर्पोरेट ऑफ़र ₹2 200* तक

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *T&C Apply. Actual vehicle colour may vary slightly due to printing variations. #Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice.

TOLL FREE 1800 266 0018

बल्क/संस्थागत पूछताछ के लिए, कृपया हमें institutionalsales@heromotocorp.com पर लिखें | CSD में उपलब्ध है

अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, **एसोशिएट डीलर:** रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़ 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, दोमुहानी: किरण मोटर्स 9754069392, लवन: गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, चिंघोरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833 गुरूर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोड़ला: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, पुरैना: अंकित ऑटो: 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, मगरलोड: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, लिमतरा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, चरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंदरदेही: एम.एम. ऑटो 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, सिरसाली: भारत मोटर्स 9993417123, फिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000 / 9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इरपिनार- कांकेर: अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहरा पादर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुइकुदुर: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिम: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामा: श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुड़ियारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेम ऑटो, 8770027422, **डीलर एक्सटेंशन काउंटर:** रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, **ऐडिशनल वर्कशॉप:** रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, **जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट:** संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler)** रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983.

RS/Hero/10/26

तरकश

संजय के. दीक्षित

अफसर...और घर की मुर्गी

छत्तीसगढ़ कैडर के एक आईएफएस अधिकारी की मिस यूपी रह चुकी खूबसूरत युवती से बड़ी धूमधाम से शादी हुई थी। उनका एक बड़ा प्यारा बेटा भी हुआ। मगर आठ साल बाद अब स्थिति यह है कि पत्नी अपने पति की लंपटई और प्रताड़ना को लेकर सोशल मीडिया पर गुहार लगा रही है। पत्नी का आरोप है...पति ने मेरा जीवन तबाह कर मुझे मायके में शरण लेने मजबूर कर दिया। आईएफएस अफसर का सूबे की एक चर्चित महिला डीएसपी से लंबे समय से याराना रहा है। राजधानी रायपुर में शायद ही कोई अनभिज्ञ होगा कि महिला डीएसपी का पहले आईएफएस के साथ संबंध रहा। बाद में एक कारोबारी की इंट्री हुई और उसके बाद वे मैदान से आउट हो गए मगर आईएफएस अभी भी पिच पर बने हुए हैं। खैर, फंडा यह है कि कई लोगों के लिए खूबसूरती मैटर नहीं करता। खासकर, आईएएस, आईपीएस और आईएफएस जैसे ऑल इंडिया सर्विस के अफसरों के लिए, जिनके पास 'पावर' और 'पैसा' दोनों होता है। चूकि ये देश की सबसे बड़ी सर्विस में सलेक्ट होते हैं, लिहाजा आमतौर से पत्नियां खूबसूरत ही मिलती हैं। मगर बड़े अफसर बनने के बाद गुलाटी मारना जब 'इनबिल्ट' हो जाए, तो बेचारी पत्नी क्या कर सकती है। बेशक, छत्तीसगढ़ के 80 परसेंट से अधिक आईएएस, आईपीएस और आईएफएस लंगोट के ढीले हैं। मौका मिला नहीं कि हर-हर गंगे। उपर से भारी इनोसेंट दिखने वाले कई अफसरों को लेकर विश्वास नहीं होगा...मगर उनके चटपटे किस्से सुन आप दंग रह जाएंगे। जब से डीएमएफ आया है, अधिकांश कलेक्टरों का भी यही हाल है...कईयों ने चरित्रहीनता की पराकाष्ठा कर दी है। दरअसल, यूपीएससी क्रेक कर आए हैं, चतुर तो वे होते ही हैं...पोस्टिंग मिलते ही पीए को बोलते हैं, सबसे अच्छी वाली गाड़ी मैडम के लिए घर भेजो। पत्नियां सप्लायरों, ठेकेदारों से मिलने वाले महंगे गिफ्ट, ज्वेलरी और लग्जरी सुख-सुविधाओं में उलझ जाती है। उधर पति लोग मीटिंग के बहाने मुंबई, गोवा में बंदरों टाईप गुलाटी मारने निकल जाते हैं। बहरहाल, बात आईएफएस की मिस यूपी बीवी पर तो पत्नी कितनी भी खूबसूरत हो जाए...आखिर, एक देसी कहावत है...घर की मुर्गी दाल बराबर।

कदाचरण...एक्शन क्यों नहीं?

87 बैच के आईएएस अजयपाल सिंह की पत्नी सरकार और मीडिया के दरवाजों पर पति की प्रताड़ना को लेकर गिड़गिड़ाती रही। हालांकि, उनकी पीड़ा लंपटई को लेकर नहीं थी। बावजूद इसके उस समय की बीजेपी सरकार ने कभी उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं सौंपी। बाद में ड्यूटी से महीनों गायब रहना, कामकाज में लापरवाही के मामले में उन्हें फोर्सली रिटायर कर दिया गया। मगर इस समय आईएफएस की पत्नी अपने पति की लंपटई पर गुहार लगाते बिलख रही है। ऐसे अफसर को सिस्टम ने बड़े डिविजन डीएफओ बनाकर रखा है। ये ठीक नहीं। इसे आप पति-पत्नी का पर्सनल विवाद बोल खारिज नहीं सकते। इससे पूरे देश में छत्तीसगढ़ कैडर मजाक बनता है। फिर डीएसपी प्रकरण में जो जांच हुई है, खुफिया विभाग के पास इसके इनपुट्स भी तो होंगे ही। फिर भी ऐसे आंख क्यों मूंदना?

अफसर, पत्नी और अलार्म

करीब 22 साल से छत्तीसगढ़ की अफसरशाही को कवरेज करते बड़े करीब से वाकिफ हूं। जो अफसर पत्नी को लिमिट से ज्यादा वेटेज देते हैं। सार्वजनिक जगहों पर साथ जाएंगे, तारीफ के पुल बांधते मिलेंगे। डीपी, स्टेट्स में भी साथ-साथ। ऐसे अफसर लंगोट के ज्यादा ढीले होते हैं। हो सकता है, इसमें इक्का-दुक्का अफसर अपवाद हों, अलबता, एक इंटरनेशनल रिसर्च में ये बात निकलकर आई है कि विवाहेत्तर संबंध रखने वाले अधिकांश लोग पत्नी को काफी खुश रखने का प्रयास करते हैं। एकदम चापलूस की तरह। इसलिए...ताकि उसे कोई संदेह न हो। खैर, ऐसे ब्लीड वाले अफसरों के लिए अब संभावनाओं के द्वार काफी खुल गए हैं। मंत्रालय से लेकर इंद्रावती भवन और कलेक्ट्रेट तक अब कारपोरेट, कंसलटेंट की आड़ में मेट्रो सिटी की आधे-अधूरे वस्त्र पहनी हनी गर्ल भौंरे की तरह मंडरा रही हैं। कुल मिलाकर घोर कलयुग आ गया है... अफसरों की पत्नियों को अत्यधिक अलर्ट रहने की जरूरत है।

बीजेपी में भी ग्लेमर

कांग्रेस चूकि बरसों सत्ता में रही है, इसलिए उसके बड़े-बड़े नेताओं की अनगिनत कहानियां रही हैं। मगर अब शुचिता के लिए जानी जाने वाली बीजेपी भी इससे अछूती नहीं। छत्तीसगढ़ में चौथी बार सत्ता में आई बीजेपी भी अब ग्लेमरस महिलाओं से प्रभावित दिखती हैं। बरसों से पार्टी का झंडा, बैनर उठाने वाली महिलाएं किनारे हो गई हैं, और हाल के दिनों में पार्टी में घुसी महिला नेत्रियां अब आगे होती जा रहीं। बिलासपुर की एक घटना को लें...एक ग्लेमरस युवती ने पार्टी में पद दिलाने का लालच देकर एक बीजेपी कार्यकर्ता से 82 लाख रुपए ठग लिया। अरसा गुजर जाने के बाद जब उसे पार्टी में कोई पद नहीं मिला तो उसने पुलिस की शरण ली। कुछ महीने पहिले बिलासपुर की ही एक ग्लेमरस नेत्री ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी...एक ठेकेदार ने उससे कार में दुष्कर्म किया। उधर, ठेकेदार ने कहा, उल्टे काम दिलाने के लिए नेत्री ने उससे एक करोड़ रुपए हड़प लिया। अब असलियत क्या थी, वे दोनों जाने। लेकिन, अब कमाल ये कि नेत्री फिर बिलासपुर से लेकर रायपुर तक, बड़े-बड़े नेताओं के साथ खूब फोटो खिंचवा रही। पता नहीं, छत्तीसगढ़ में पोस्टेड भारी-भरकम अमला वाली केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां क्या कर रही हैं। आखिर, कुछ उंच-नीच हुआ तो नाम तो पूरी पार्टी का खराब होगा न। क्योंकि, बीजेपी नेता भी आखिरकार हैं इंसा नही न!

कलेक्टरों, कोर्ट रुम और मॉनिटरिंग

विधानसभा अध्यक्ष के जिले राजनांदगांव से एक अच्छी खबर है। वहां राजस्व मामले के निबटारे में 94 से लेकर 100 परसेंट तक कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ में ये अपने आप में एक रिकार्ड होगा। जाहिर है, जमीन जायदाद के मामले तहसीलों में सालों तक अटके रहते हैं। पिछले तरकश में राजस्व मामलों का जिक्र होने पर अगले दिन बलरामपुर से लेकर भोपालपटनम तक से कमेंट्स और शिकायतों की बाढ़ आ गई थी। लोग दुखड़ा रो रहे थे, फलां तहसीलदार ने इतने महीने से फाइल दबा कर बैठा है तो किस तरह सरगुजा जिले की एक कलेक्टर ने कमिश्नर से बोल जमीन विवाद पर स्टे लगवा दिया...इसलिए कि एक समाज विशेष के एक आदमी ने जमीन पर कब्जा किया है। इससे लॉ एंड आर्डर की स्थिति उत्पन्न होती, तो उन्हें झेलना पड़ता। सरकार को कम-से-कम रेवेन्यू मामलों को हर महीने समीक्षा करनी चाहिए कि किस जिले में कितनी पेंडेंसी है। ई-ऑफिस के बाद भी अगर तहसीलदार, एसडीएम महीनों फाइलें दबाकर बैठे रहें तो ये दुर्भाग्यजनक है। दूसरा, अब तो ऑनलाइन और सीसीटीवी का दौर है। चीफ सिकेट्री खुद भी अधिकारियों के अटेंडेंस पर नजर रख रहे। सीसीटीवी से सीधे पता चल जाएगा कि कौन कलेक्टर महीने में कितने दिन कोर्ट रुम में बैठता है। वास्तविकता यह है कि 80 परसेंट कलेक्टर कोर्ट में बैठते नहीं। एडिशनल कलेक्टर को कोर्ट सौंप देते हैं। राजनांदगांव को मॉडल बनाकर अगर मंत्रालय से कलेक्टरों की मॉनिटरिंग प्रारंभ हो जाए तो चीजें काफी सुधर जाएंगी। क्योंकि, आंकड़े बताते हैं, सबसे अधिक किसी विभाग में भ्रष्टाचार है तो वह राजस्व विभाग में है। और आम आदमी सबसे अधिक त्रस्त भी इसी विभाग से है।

पहले के कलेक्टर और अबके

आज से दो दशक पहले कलेक्टर जमकर दौरे भी करते थे और रेगुलर कोर्ट में बैठकर राजस्व केसों का निबटारा भी करते थे। तब जिले काफी बड़े होते थे। केसों की संख्या भी काफी होती थी। मगर अब दो-दो, तीन-तीन ब्लॉक के जिले हो गए, उसके बाद भी कलेक्टरों के पास राजस्व मामलों का रिव्यू करने टाईम नहीं। ऐसा नहीं कि पहले के कलेक्टर पैसा नहीं कमाते थे। वे पैसा भी कमाते थे और दबाकर काम भी करते थे। अभी विडंबना यह है कि कलेक्टर सुबह से कैलकुलेटर लेकर बैठ जाते हैं, डीएमएफ का पैसा कहां और कैसे खर्च किया जा सकता है, काम-वाम से ज्यादा कोई मतलब नहीं। और, सिस्टम ने जिन्हें ईमानदारी के बेसिस पर कलेक्टर बनाया है, वे मूरत बनकर ऑफिस में बैठे रहते हैं, उन्हें आम आदमी से कोई मतलब नहीं। अलबत्ता, इस स्तंभ में पहले भी कई बार लिखा जा चुका है...छत्तीसगढ़ में कलेक्टरों की वर्किंग खराब करने में सबसे बड़ा रोल डीएमएफ का है। कायदे से अघोषित तौर से इसे सरकार को अपने नियंत्रण में लेना चाहिए। नियंत्रण का मतलब ये कि भारत सरकार ने कलेक्टरों को डीएमएफ का हेड बनाया है, इसलिए उन्हें बदल तो सकते नहीं। मगर सरकार चाहे तो काम कराने से पहले पूछ सकती है... रिव्यू कर सकती है कि वो जो काम करने जा रहे, उसकी जनहित में कितनी उपयोगिता है। कई जिलों में सप्लायर तय करते हैं...डीएमएफ में क्या होना चाहिए। इसका एक बानगी देखिए। एक सप्लायर हाथी प्रभावित कई जिलों के कलेक्टरों को बताया कि हाथी आएगा, तो मोबाइल पर अलर्ट आएगा। इसी में उसने डीएमएफ से करोड़ों रुपए ऐंठ लिया। इससे कलेक्टर भी खुश और सप्लायर भी। मगर जंगलों में रहने वाले आम लोगो का कोई भला नहीं हुआ, क्योंकि वे मोबाइल नहीं देखते। मगर डीएमएफ का पैसा खर्च करना था, वो काम हो गया। अलबत्ता, पिछली सरकार में डीएमएफ पर रायपुर से नियंत्रण करने का प्रयास किया था, भले ही उसकी मंशा और दिशा सही नहीं रही।

कलेक्टरों के इनोवेशन पर ब्रेक

प्रशासनिक कामकाज को पटरी पर लाने के लिए सिस्टम को एक काम अवश्य करना चाहिए। वह है कलेक्टरों के इनोवेशन पर अंकुश लगाना। दरअसल, होता ऐसा है कि वाहवाही लुटने या फिर पीएम अवार्ड के लिए कलेक्टर एक-न-एक नवाचार का काम ढूंढ लेते हैं और फिर वही उनके लिए टॉप प्रायरिटी बन जाता है। फिर जनता से जुड़े बाकी काम गौण। आलम यह कि पिछले कलेक्टर ने अगर कोई बढ़ियां लोक कल्याणकारी काम प्रारंभ किया है, तो उसके तरफ देखना नहीं। जबकि, होना ऐसा चाहिए कि कोई कलेक्टर अगर अच्छा काम शुरू किया है तो नए वालों की भी जिम्मेदारी बनती है कि उसे आगे बढ़ाए। जाहिर है, छत्तीसगढ़ बनने के बाद सिर्फ कलेक्टर ओपी चौधरी का दंतेवाड़ा का काम दिख रहा, जिसके लिए उन्हें पीएम अवार्ड मिला। बाकी पीएम अवार्ड वाले क्या काम किए, किसी को याद नहीं। मुख्य सचिव के पास अब तो एक स्पेशल सिकेट्री भी आ गई हैं। कलेक्टरों के कामकाज का पूरा हिसाब सीएस ऑफिस में होना चाहिए। और ट्रांसफर के बाद नए वाले को ज्वाईनिंग से पहले बुलाकर बताना चाहिए कि उसे किन कामों को कंटीन्यू करना है, या फोकस बनाकर रखना है। इससे चीजें काफी सुधरेंगी। क्योंकि, कलेक्टरों की खुद की वाहवाही में जनता के पैसे का काफी नुकसान होता है।

बीजेपी के इंफ्लुएंसर

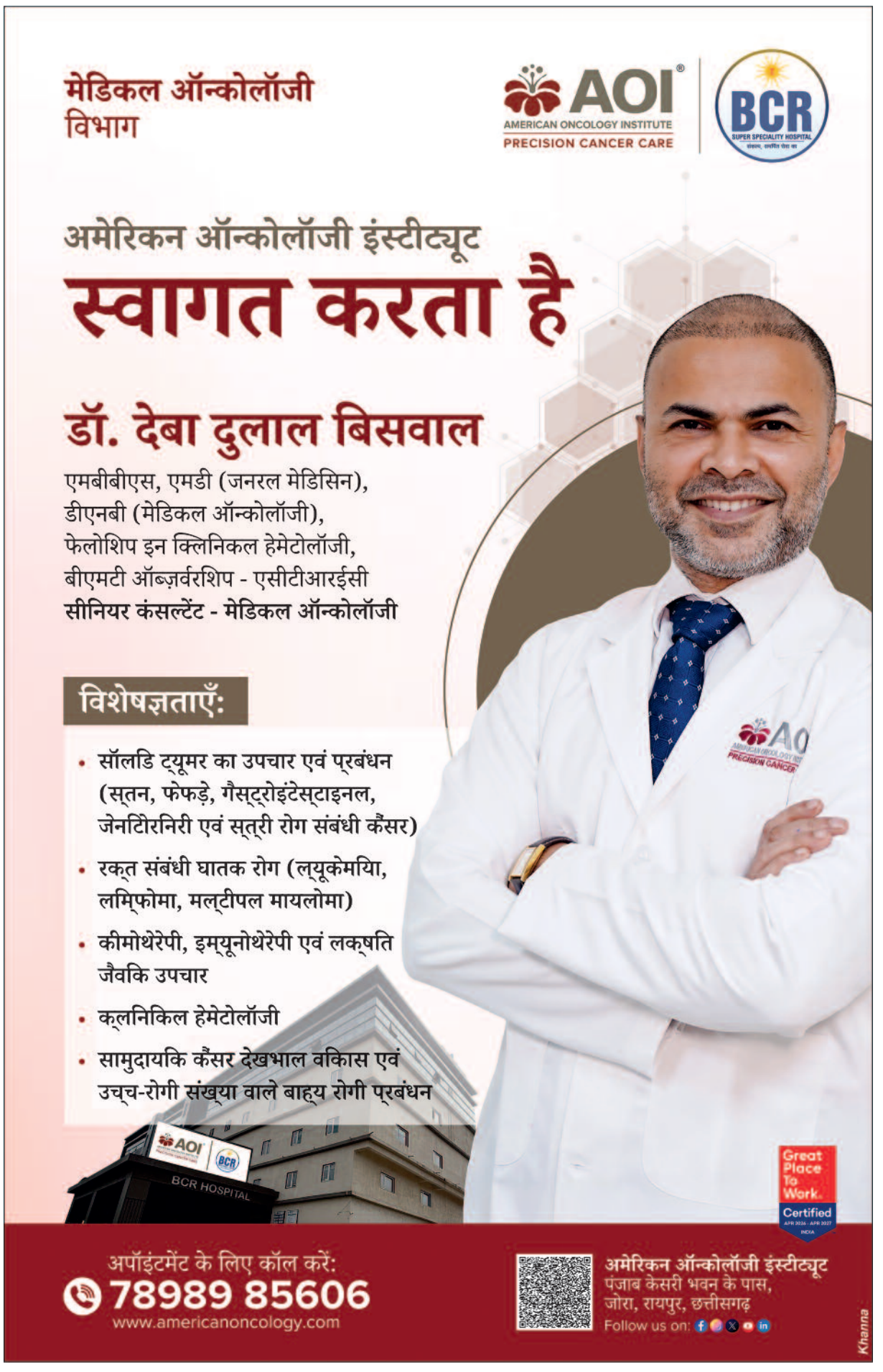
सत्ताधारी पार्टी को एजेंसियों पर इतना कांफिडेंस नहीं पाल लेना चाहिए। क्योंकि, अब चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा है। बात है दिल्ली से बुलाए गए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की। बीजेपी को बुलाना ही था तो चार-पांच को ही बुलाते मगर ठीकठाक का चयन करते। कम-से-कम प्रोफाइल तो देख लेते कि जो इंफ्लएंसर आ रहा, उसका खुद का कितने सबस्क्राबर और व्यूज हैं। मगर एजेंसी से ऐसे-ऐसे लोगों को पकड़ लाई कि पूछिए मत! एक तो थोक की संख्या में आए। दूसरे छत्तीसगढ़ की ब्रांडिंग करने की बजाए यहां के लोगों के साथ फोटो खिंचवा खुद अपना व्यूज बढ़ा रहे हैं। उससे अच्छा छत्तीसगढ़ के कस्बा, जिलों के लोकल इंफ्लुएंसर को इतना मान-सम्मान दे दिए होते तो पार्टी के लिए फायदेमंद होता। जस्ट ये एक सुझाव है, बाकी तो बीजेपी जाने।

हफ्ते का कोट

आपकी शख्सियत अच्छी होगी, तभी लोग आप में बुराइयां खोजेंगे, वरना बुरे की तरफ देखता ही कौन है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस जिले की महिला कप्तान पुलिस मुख्यालय के प्रभावशाली अफसर की भी परवाह नहीं कर रही?
2. क्या ये सही है कि मंत्रिमंडल में अब सर्जरी दिवाली के बाद ही होगी?





हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नवरात्रि पर विशेष-1



धमधा का कलश मंदिरः आस्था संकल्प और अटूट विश्वास की अनूठी कहानी

नवरात्रि के बाद बिखरते थे ज्योति कलश सहेजकर खड़ा कर दिया अनूठा मंदिर

नौ दिनों तक जिन ज्योति कलशों में श्रद्धालु माता की आराधना करते हैं, नवरात्रि के बाद बिखर जाने वाले उन्हीं कलशों को सहेजने के संकल्प ने छत्तीसगढ़ के धमधा में एक अनूठे मंदिर को जन्म दिया। वर्ष 2010 में नरेंद्र बाबा की पहल से स्थापित इस मंदिर की पहचान इसकी विशिष्ट कलश संरचना, देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से है।

निकेत तामकार ▶▶| धमधा

मंदिर निर्माण के पीछे स्वप्न में मिली प्रेरणा और वर्षों के समर्पण की कहानी भी जुड़ी है। नवरात्रि के पहले दिन आइए जानते हैं, कैसे एक विचार ने श्रद्धा के प्रतीकों को आस्था के एक बड़े केंद्र में बदल दिया। नवरात्रि के बाद इधर-उधर बिखरे पड़े ज्योति कलशों को सहेजने के विचार से शुरू हुई यह यात्रा वर्ष 2010 में मंदिर की स्थापना तक पहुंची। आज यह मंदिर अपनी विशिष्ट कलश संरचना, विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और नवरात्रि के दौरान होने वाले धार्मिक आयोजनों के लिए श्रद्धालुओं के बीच विशेष पहचान रखता है।

मंदिर के संस्थापक नरेंद्र बाबा बताते हैं कि कलश मंदिर की स्थापना की कहानी धार्मिक सेवा से ▶▶|शेष पेज 5 पर

नवरात्रि में उमड़ती है श्रद्धालुओं की आस्था



नवरात्रि के अवसर पर कलश मंदिर में विशेष धार्मिक वातावरण रहता है। इस दौरान ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं, पूजा-अर्चना होती है और श्रद्धालु देवी-देवताओं के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर से जुड़ी जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के समय दूर-दराज के क्षेत्रों और अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु यहाँ दर्शन करने आते हैं। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सेवा और सहयोग की भावना इस आयोजन को विशेष बनाती है। मंदिर ▶▶|शेष पेज 5 पर

मां महामाया मंदिर में जलेंगे अमेरिका, ब्रिटेन के भी भक्तों के ज्योति कलश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर



शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहा है। इसके लिए मां महामाया मंदिर ट्रस्ट रतनपुर में जोर-शोर से तैयारी चल रही है। मनोकामना ज्योतिकलश बुकिंग कराने भक्तों में होड़ मची हुई है। छत्तीसगढ़ ही नहीं देश-विदेश से मनोकामना ज्योतिकलश प्रज्वलित करने भक्त बुकिंग के लिए संपर्क कर रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट की मानें तो लगातार विदेशी भक्तों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसमें नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के या विदेशी श्रद्धालुओं ने मंदिर समिति से संपर्क कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से अपने नाम पर मनोकामना ज्योति कलश की बुकिंग करवाई है। महामाया देवी मंदिर के व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने ▶▶|शेष पेज 5 पर

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹112745/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹137700/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹150312/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित रिमोन 10 साल की उम्र में दिखता है 3 साल का

हरिभूमि-आईएनएच की पहल, सीएम साय ने देर रात की मुलाकात, स्वीकृत किए 12 लाख

सक्ती जिले के ग्राम धुरकोट निवासी 10 वर्षीय रिमोन टंडन के परिवार के लिए शनिवार का दिन नई उम्मीद और राहत लेकर आया। हरिभूमि-आईएनएच की पहल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवेदनशीलता दिखाई। देर रात अपने निवास पर पीड़ित और उनके परिजनों से मुलाकात की। दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे रिमोन के महंगे उपचार की चिंता से परेशान परिवार को मुख्यमंत्री साय ने बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत तत्काल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

- आर्थिक तंगी के कारण बेटे के इलाज को लेकर चिंतित किसान पिता को मिली बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उम्र 10 साल, कद-काठी और चेहरा तीन साल के बच्चे जैसा। सक्ती जिले के चंद्रपुर निवासी रिमोन टंडन की जिंदगी एक दुर्लभ बीमारी ने थाम दी थी, लेकिन अब उसके उपचार की उम्मीद जगी है। दिल्ली एम्स में जांच के बाद सामने आई आइसोलेटेड ग्रोथ हॉरमोन डिफिशिएंसी टाइप 1ए बीमारी के इलाज के लिए जापान और मलेशिया से आने वाले करीब 13 लाख रुपए के इंजेक्शन की जरूरत है। हरिभूमि और आईएनएच न्यूज की पहल पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने उपचार के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की है। अब रिमोन के इलाज के साथ उसकी पढ़ाई और सिंगर बनने के सपने को भी नई उम्मीद मिली है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ▶▶|शेष पेज 5 पर

खास खबर

आइसोलेटेड ग्रोथ हॉरमोन डिफिशिएंसी टाइप 1ए से पीड़ित है सक्ती जिले का रिमोन





मुख्यमंत्री साय से मुलाकात करते हुए राजिम विधायक रोहित साहू के साथ पीड़ित रिमोन टंडन और उनके परिजन

रिमोन को गोद में उठाकर मुख्यमंत्री ने दुलारा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रिमोन के समुचित उपचार के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा भी परिवार को दिलाया। मुख्यमंत्री ने बच्चे को स्नेहपूर्वक अपनी गोद में उठाया, दुलारा और उसके स्वास्थ्य तथा उपचार के संबंध में परिजनों से विस्तार से जानकारी ली। परिवार की आर्थिक स्थिति और उपचार पर आने वाले खर्च की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल 12 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने रिमोन के माता-पिता को ढांढस बंधाते हुए कहा कि यह केवल आपका नहीं, हमारा भी बेटा है। इसके स्वास्थ्य की चिंता करना हमारी भी जिम्मेदारी है।

दोपहर को खबर प्रसारित की... रात को मुख्यमंत्री ने सीएम हाऊस में मुलाकात की



दिल्ली एम्स ने की जांच, अब होगा उपचार

रिमोन के पिता अजय कुमार टंडन ने बताया कि लंबे समय से अलग अलग अस्पतालों में उसका उपचार चल रहा था, लेकिन कुछ समय पहले दुर्लभ बीमारी का पता चला। दिल्ली एम्स में जांच कराने पर जानकारी दी गई कि इसके उपचार के लिए महंगे इंजेक्शन की जरूरत होगी। जापान और मलेशिया से 13 लाख का इंजेक्शन ▶▶|शेष पेज 5 पर

नन्हे रिमोन ने गीत सुनाकर मुख्यमंत्री का किया धन्यवाद

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान एक आत्मीय दृश्य भी देखने को मिला। सहायता मिलने से खुश नन्हे रिमोन ने मुख्यमंत्री श्री साय को गीत गाकर सुनाया। मुख्यमंत्री ने बड़े स्नेह से उसका गीत सुना और उसका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने रिमोन को खूब पढ़ने, आगे बढ़ने और स्वस्थ होकर अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने रिमोन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि बच्चे की मुस्कान और उसका स्वस्थ भविष्य ही परिवार के साथ सरकार के लिए भी सबसे बड़ी खुशी होगी।

तीन पूर्व सीएम समेत कई शीर्ष नेताओं पर एक्शन

दिल्ली में नहीं जुट पाए 'कॉकरोच' हिरासत में दीपके, केजरीवाल ममता समेत 7000 प्रदर्शनकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली



मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में शनिवार को विरोध प्रदर्शन हुए। इस दौरान पुलिस ने 7000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए। पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सीएम ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया।

- सीजेपी का ऐलान- हम सरकार से नहीं डरेंगे, आज फिर जंतर-मंतर कूच की तैयारी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम और 'फॉर्म-6' से जुड़ी गड़बड़ियों के विरोध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर शनिवार को दिल्ली में जुटे प्रदर्शनकारियों की योजना तो जंतर-मंतर पर एकत्र होने की थी, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका। खाकी और नीले-हरे रंग की वर्दी में बड़ी संख्या में तैनात सुरक्षाकर्मियों, अवरोधकों और सड़कों पर बसों पर खड़ी ▶▶|शेष पेज 5 पर

राहुल बोले

ज्ञानेश जाएंगे यह सरकार जाएगी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार भी जाएंगे तथा मोदी सरकार भी जाएगी। इसके बाद लोकतंत्र को दुरुस्त करने का काम शुरू होगा। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ज्ञानेश कुमार जाएंगे। यह सरकार जाएगी। फिर लोकतंत्र को दुरुस्त करने का काम शुरू होगा।

भाजपा बोली

प्रदर्शन विफल, भीड़तंत्र की हार

भाजपा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली को 'बंधक' बनाने के इरादे से किया गया प्रदर्शन पूरी तरह विफल रहा। पार्टी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के साथ मिलकर अराजकता फैलाने का आरोप लगाते हुए उनकी तुलना मीर जाफर से की।

425 रुपए क्विंटल में होगी गन्ने की खरीदी सरकार ने बढ़ाए 96 रुपए



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती ▶▶|शेष पेज 5 पर

खास खबर

किसानों की समस्याओं पर संवेदनशील सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं।

48 घंटे बाद किसान आंदोलन स्थगित

कवर्धा। जिला मुख्यालय में 48 घंटे से जारी किसान आंदोलन शनिवार को स्थगित होने के बाद शहर की यातायात व्यवस्था बहाल हो गई। किसानों ने शहर के प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्ग-30 से बैरिकेड हटा दिए, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो गया। दो दिनों से चक्काजाम के कारण परेशान लोगों ने राहत की सांस ली। मुख्यमंत्री द्वारा गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने की घोषणा के बाद भारतीय किसान संघ ने आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया।







सीईसी ज्ञानेश के खिलाफ राजधानी दिल्ली सहित देशभर में प्रदर्शन

सख्ती बेअसर सड़कों पर जेनजी

बड़े पैमाने पर जेनजी समेत लोगों को किया गया अरेस्ट













नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) सहित विभिन्न संगठनों द्वारा बुलाए गए एसआईआर व सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन में आम लोगों सहित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की नेशनल प्रेसिडेंट नेहा बोरा, वकील प्रशांत भूषण, एक्टिविस्ट योगेंद्र यादव और सीपीआई(एमएल) लिबरेशन के जनरल सेक्रेटरी दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हुए। दिल्ली पुलिस ने बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिया। राजधानी दिल्ली के अलावा चंडीगढ़, देहरादून जैसे देश के अन्य शहर-राज्यों में भी विरोध-प्रदर्शन किया गया।

सीजेपी के नए कप्तान शिंदे की अपील

'पुलिस जहां रोके, वहीं जंतर-मंतर बना लीजिए'





जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक ये लड़ाई जारी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके, सह संयोजक आशुतोष रांका और सौरभ दास को हिरासत में लिए जाने के बाद अब पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे प्रदर्शन की कमान संभाल रहे हैं।

उन्होंने वीडियो जारी कर लोगों से जंतर-मंतर पर जुटने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि अगर पुलिस किसी को रोकने की कोशिश करे तो वह जहां हैं, वहीं अपना जंतर-मंतर बना लें। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक ये लड़ाई जारी रहेगी। इस देश के लोग क्या मांग रहे थे? जिस ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी की उसका इस्तीफा ही तो मांग रहे थे। इसी वजह से पूरी दिल्ली बंद कर दी।

आधी लड़ाई हम जीत चुके

शिंदे ने कहा, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका, सौरभ दास को डिटेन कर लिया गया है। पिछली बार जब देश एकजुट हुआ था, तब मोदी-शाह की जोड़ी का अहंकार हमने चकनाचूर किया था। इसी वजह से लोग जंतर-मंतर ना पहुंचे, इसके लिए इतनी पाबंदी लगाई गई, लोगों को हिरासत में लिया। मोदी-शाह का ये डर दिखाता है कि आधी लड़ाई तो हम जीत चुके हैं। और एक नई लड़ाई की शुरुआत है।

दीपके की मां - 'बेटे को कुछ हुआ तो सरकार जिम्मेदार'



कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दीपके को इस बात का अंदाजा पहले से था, संभवता इसीलिए उन्होंने अपनी मां से कहा था- 'आज टेलिविजन और मोबाइल से दूर रहना।' लेकिन इसके बावजूद परिवार ने टीवी और सोशल मीडिया पर अभिजीत दीपके की हिरासत की खबरें देखीं-सुनीं। दीपके की मां अनीता ने कहा- जिस तरह से पुलिस ने एयर इंडिया के विमान पर हमला किया, जिसमें अभिजीत और अन्य सीजेपी नेता मुंबई से आए थे। इस तरह विमान में किसी को गिरफ्तार करना गलत है। मेरे बच्चे ने क्या अपराध किया है?' - 'अगर उसे कुछ हुआ तो हम सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे।' अभिजीत के पिता ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- 'बलात्कारियों और आतंकवादियों को नहीं पकड़ा जाता है। लेकिन एक सामान्य व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार कर लेते हैं।'

'प्रदर्शनकारियों को 24 घंटे में रिहा करें, नहीं तो अनशन'

वांगचुक का सरकार को अल्टीमेटम



लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में हो रहे सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भारत को 'अघोषित आपातकाल' की स्थिति में बताया है और गिरफ्तार नेताओं को जल्द रिहा करने की मांग की है। वांगचुक ने साफ कहा है कि अगर इन नेताओं को रविवार तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करेंगे। वांगचुक के मुताबिक, उन्हें इस बात की खुशी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए कई नेता आगे आए हैं। लेकिन अब उन्हें पता चला है कि उन सभी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। वांगचुक ने इसी बात पर सवाल उठाए हैं।

इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दो अराजक गुट : नितिन

भाजपा अध्यक्ष ने कहा- सरकार सख्ती से निपटेगी; मंसूबे कामयाब नहीं होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष और कॉकरोच जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- आज देश में बेहद खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही है। दो अराजक गुट देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

एक का नेतृत्व इंडिया ब्लॉक के राहुल गांधी और दूसरे का नेतृत्व अरविंद केजरीवाल के सहयोगी सीजेपी कर रही है। नितिन नवीन कहा- इंडिया ब्लॉक और सीजेपी में होड़ लगी है कि कौन ज्यादा अराजकता फैलाएगा। भारत की जनता उनके इरादों को अच्छी तरह समझती है। जनता उन्हें नकार चुकी है। नवीन ने चेतावनी दी कि केंद्र सरकार तनाव भड़काने की कोशिशों से सख्ती से निपटेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर ऐसे मंसूबों को नाकाम करेंगे।

जनादेश का किया जा रहा अपमान

नवीन ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता संविधान के नाम पर लोकतंत्र को चुनौती दे रहे हैं और झूठ फैलाकर जनता के जनादेश का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी हार के बाद विपक्ष जनता के फैसले को स्वीकार करने या उससे सीखने के बजाय देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है।

प्रदर्शनकारियों की मांग

भाजपा अध्यक्ष का बयान ऐसे समय में आया है जब सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और एसआईआर के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया है। कॉकरोच पार्टी ने एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में हेरफेर और फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर सवाल उठाए हैं।



कैप्टन स्मित पर हमले की जांच करेगी एनआईए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



- फ्लाईदुबई के कॉकपिट पर ओमानी को-पायलट ने किया था अटैक
- एंटी हाइजैकिंग एक्ट में एफआईआर दर्ज

नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआईए) ने फ्लाईदुबई फ्लाइट में पायलट पर हुए हमले को लेकर एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर एंटी-हाइजैकिंग एक्ट, 2016 की धारा 3 और यूएपीए की धाराओं के तहत दर्ज हुई है। इन धाराओं के जरिए संभावित लोन-वुल्फ आतंकी मंशा, साजिश और कट्टरपंथी नेटवर्क की जांच होगी। एनआईए हमले के पीछे बड़ी साजिश की जांच करेगी। भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला हुआ था। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में ओमानी को पायलट ने कैप्टन पर अटैक किया और विमान को गिराने की कोशिश की।

क्राइम भारत के बाहर फिर भी होगी जांच : अपराध भारत के बाहर हुआ हो, तब भी कुछ परिस्थितियों में एनआईए उसकी जांच कर सकती है। इसका प्रमुख आधार राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम, 2008 की धारा 1(2) है। 2019 के संशोधन के बाद यह कानून भारत के बाहर हुए ऐसे अनुसूचित अपराधों पर भी लागू हो सकता है, जो भारतीय नागरिकों के खिलाफ किए गए हों या भारत के हितों को प्रभावित करते हों।

गोलीबारी के बीच कई घरों में आगजनी, 5 की मौत

एजेंसी ⏭ इंफाल

- मणिपुर में महिला की हत्या के बाद फिर भड़की हिंसा



मणिपुर में एक फिर खूनी हिंसा भड़कने लगी है। हिंसा में एक महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई और कई मकानों को आग के हवाले कर दिया गया।

घटना के बाद कामजोंग उखरुल जिलों में हालात तनावपूर्ण बन गए हैं। शुक्रवार रात हुई इस वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी है। घटना के बाद कुकी और नगा समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी शनिवार सुबह तक चली। हिंसा के दौरान करीब 10 घरों में आगजनी की गई। प्रशासन ने हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

400 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा : हिंसा को दूसरे इलाकों में फैलने से रोकने के लिए जिला प्रशासन ने चसाद पुलिस गेट चौराहे के 400 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 162 के तहत जारी किया गया है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक
(रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर
रविवार 11 अक्टूबर 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 25, अंक : 82
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 35.7
न्यून. 24.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पांच साल में तीन बार बना रेलमंत्री का दौरा

आरपीएफ स्थापना दिवस पर आने वाले थे रेल मंत्री, महीनेभर से चल रही थीं तैयारियां

स्टेशन चमकाने रेलवे ने खर्च किए 4 करोड़ रेलमंत्री का चार साल में तीसरी बार दौरा रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रस्तावित रायपुर दौरा कार्यक्रम से दो दिन पहले रद्द हो गया। समारोह में उन्हें आरपीएफ की परेड और अन्य आयोजनों में शामिल होना था। उनके आगमन को लेकर रेलवे प्रशासन ने करीब महीनेभर पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। रायपुर रेलवे स्टेशन की मरम्मत और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए चार करोड़ रुपए का टेंडर जारी कार्य किया गया था। वहीं आरपीएफ ने भी स्वागत और समारोह के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। खास बात यह है कि पिछले पांच वर्षों में रेलमंत्री के रायपुर रेलवे स्टेशन आने का कार्यक्रम ⏭शेष पेज 5 पर

हरिभूमि खास

जरूरत और तय कार्यक्षेत्र के अनुसार हुआ काम

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन पर हर साल मरम्मत और रखरखाव का काम कराया जाता है। इस बार भी जरूरत और तय कार्यक्षेत्र के अनुसार ही काम किया गया है। इसे केवल रेलमंत्री के प्रस्तावित दौरे से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। रेलवे प्रशासन के अनुसार, स्टेशन के रखरखाव और यात्री सुविधाओं से जुड़े काम नियमित प्रक्रिया का हिस्सा हैं।





रेलमंत्री का दौरा रद्द

आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस पर प्रस्तावित रेलमंत्री का दौरा रद्द हुआ है। आरपीएफ की परेड व अन्य आयोजन होंगे।
- सुस्कर विपुल विलासराव, सीनियर डीसीएम, रायपुर

सामान्य सालाना खर्च से चार गुना राशि का टेंडर

रेलमंत्री के दौरे की तैयारियों के बीच रायपुर स्टेशन की मरम्मत और रखरखाव के लिए चार करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया गया था। रेलवे स्टेशन की सालाना मरम्मत और रखरखाव पर सामान्य तौर पर करीब एक करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही जाती है। इस बार मरम्मत कार्य के लिए जारी टेंडर की राशि सामान्य सालाना खर्च की तुलना में चार गुना है। हालांकि स्टेशन का पुनर्विकास गति शक्ति योजना के तहत पहले से ही चल रहा है। टेंडर के बाद संबंधित एजेंसी ने स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में मरम्मत और सुधार कार्य किए। प्लेटफॉर्म और स्टेशन भवन के खराब हिस्सों में गटर शीट, कोटा स्टोन, ग्रेनाइट और चकर टाइल्स की मरम्मत की गई।

14 मई 2022: छत्तीसगढ़ दौरा निरस्त

रेलमंत्री का अंबिकापुर, कोरबा और रायपुर आने का कार्यक्रम तय था। अंबिकापुर में नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और कोरबा में कोयला लदान से जुड़े कार्यों का निरीक्षण प्रस्तावित था। 12 मई को दौरा रद्द होने की जानकारी मिली। संबंधित रेलवे कार्यक्रमों में मंत्री के वर्चुअल रूप से शामिल होने की बात सामने आई थी।

27 नवंबर 2022: रायपुर पहुंचे, लेकिन स्टेशन का आधिकारिक दौरा नहीं

27 नवंबर 2022 को अश्विनी वैष्णव, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ रायपुर पहुंचे थे। इस दौरान वे रायपुर रेलवे स्टेशन के आधिकारिक निरीक्षण या रेलवे से जुड़े किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे।

25 नवंबर 2024: नागपुर का कार्यक्रम तय होने के बाद रायपुर दौरा रद्द

22 नवंबर को जानकारी मिली थी कि रेलमंत्री 25 नवंबर को नागपुर से ट्रेन के जरिए रायपुर आएंगे। उनके रेलवे स्टेशन निरीक्षण और विकास कार्यों की समीक्षा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। हालांकि 24 और 25 नवंबर को सामने आए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, उन्हें नागपुर में रेलवे कर्मचारी संगठन के कार्यक्रम में शामिल होकर दिल्ली लौटना था। इसके चलते रायपुर आने का कार्यक्रम रद्द हो गया।

9 से 12 अक्टूबर 2026: तारीख बदली, फिर दौरा निरस्त

आरपीएफ के 42वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए रेलमंत्री का रायपुर आगमन पहले 9 अक्टूबर को प्रस्तावित था। 8 अक्टूबर को सामने आई जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम की तारीख बदलकर 12 अक्टूबर कर दी गई। समारोह में आरपीएफ की परेड और अन्य आयोजन प्रस्तावित थे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

'रील' बनाने के चक्कर में दो की चली गई जान

भुवनेश्वर। सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में ओडिशा में 24 घंटे के भीतर अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बौध जिले में हुई, जहां खुर्दा-बोलांगीर रेल मार्ग पर कथित तौर पर रील बना रहे एक लड़के की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। लड़का शुक्रवार शाम रेलवे पटरी के पास रील बना रहा था।

कंटेनर ने मारी टक्कर, 4 की मौत

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर में शनिवार सुबह श्रद्धालुओं को ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को एक कंटेनर ने टक्कर मार दी, जिससे चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान अमन राणा (25), सागर (22), पंकज (25) और रमेश (55) के रूप में हुई है। हादसा देवबंद थाना क्षेत्र में एक फ्लाईओवर के पिलर संख्या 13 के पास हुआ।

सीएचओ का इंसेंटिव जांच के दायरे में, अनियमितता की ढेरों शिकायतें विभाग हुआ अलर्ट

प्रोत्साहन राशि के नाम पर स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों का घोटाला, प्रदेशभर में होगी जांच

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

कैंसर, टीबी की स्क्रीनिंग सहित 12 तरह के काम करने वाले कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों की प्रोत्साहन राशि के नाम पर करोड़ों रुपए की गड़बड़ी का संदेह हैं। कार्यों में अनियमितता की ढेरों शिकायतों के बाद भी उन्हें इंटेसिव का भुगतान किया जाता है। गड़बड़ी के संदेह के आधार पर राज्यभर में इसकी जांच के आदेश हुए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अपर संचालक ने तमाम सीएमएचओ से इसकी जांच और आवश्यक कार्रवाई करते हुए जांच प्रतिवेदन मांगा है।

राज्यभर में संचालित होने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी यानी सीएचओ को पदस्थ किया जाता है। इन्हें साढ़े 16 हजार रुपए मानदेय दिया जाता है और एनसीडी कार्यक्रम, कैंसर, कुष्ठ, टीबी की स्क्रीनिंग के साथ गर्भवती महिलाओं की देखभाल सहित 12 तरह का काम पूरा करने की जिम्मेदारी होती है। इसके बदले विभाग इन्हें पांच से 15 हजार रुपए तक हर महीने प्रोत्साहन राशि प्रदान करता है, जिसे शिकायतों के आधार पर जांच के दायरे में लाया गया है। शिकायतों के मुताबिक, विभिन्न तरह की महती जिम्मेदारी उठाने वाले इन कर्मचारियों के मुख्यालय में निवास नहीं करने, समय पर ड्यूटी पर नहीं जाने विभाग ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर

तमाम सीएमएचओ से मांगा गया जांच प्रतिवेदन एनएचएम की चिट्ठी से मचा हड़कंप





मांगा गया प्रतिवेदन

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहन राशि में अनियमितता की शिकायतें मिल रही थीं। इस आधार पर सभी सीएमएचओ को जांच कर आवश्यक करने करने निर्देश दिया गया है। साथ ही इस संबंध में उनसे प्रतिवेदन भी मांगा गया है। - इंद्रजीत बर्मन, अपर संचालक,

टार्गेट दिखाने इंटेसिव का शक

सूत्रों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) जिला और विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक के निर्देश पर काम करते हैं। स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं को जिले में सफलतापूर्वक लागू करने की जिम्मेदारी इन्हीं की होती है। विभाग स्तर पर दिए जाने वाले टार्गेट को पूरा कर इन्हें अपनी परफार्मेंस दिखानी होती है। आंकड़ों के खेल को कई चुनिंदा सीएचओ पूरा करते हैं और इसके बदले उन्हें ज्यादा इंटेसिव प्रदान किया जाता है।

बेमेतरा से निकली शिकायत

कुछ समय पहले बेमेतरा जिले में कुछ सीएचओ द्वारा गलत तरीके से प्रोत्साहन राशि आहरित करने का मामला सामने आया था। इस दौरान कुछ सीएचओ का वेतन रोकने की कार्रवाई भी हुई थी। बाद में विरोध-प्रदर्शन के बाद मामला ठंडा पड़ गया था। समय बीतने के बाद इस प्रोत्साहन राशि वितरण को जांच प्रक्रिया में लाने की आवश्यकता महसूस हुई। शनिवार को इस बारे में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के छत्तीसगढ़ मुख्यालय से जांच का आदेश जारी कर दिया गया।

फांसी की सजा पाने वाले कुलदीप सहित तीनों दोषी रायपुर केन्द्रीय जेल शिफ्ट


सजा सुनते ही कातिल की गुस्ताख गायब
हवलदार की पत्नी-मासूम बेटी से दरिंदगी करने वाले
तीन दरिंदों को मृत्युदंड

कुलदीप को सशस्त्र बल के साथ सुबह सुबह किया गया रवाना, दोपहर में जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपी कुलदीप साहू को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद रायपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। सशस्त्र बल की कड़ी सुरक्षा के बीच अल सुबह 6 बजे कुलदीप साहू को रवाना किया गया था और दोपहर 12 बजे तक वह केन्द्रीय जेल रायपुर में शिफ्ट कर दिया गया। वहीं फूल सिंह और चंद्रकांत उर्फ सीके को शुक्रवार को ही रायपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। जबकि आर्यन विश्वकर्मा केन्द्रीय जेल सरगुजा में ही रहेगा। तीनों कैदियों को ⏭शेष पेज 5 पर

24 घंटे की निगरानी में था आरोपी

फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी कुलदीप को केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में अलग सेल में रखा गया था और 24 घंटे की निगरानी की जा रही थी ताकि वह कोई घातक कदम ना उठाए। जेल प्रबंधन के अनुसार सजा सुनने के बाद उसका व्यवहार मिश्रित रहा। कुलदीप को यह उम्मीद है कि वह अभी सुप्रीम कोर्ट से अपील कर राहत पा सकता है इसलिए रायपुर शिफ्ट किए जाने के दौरान भी उसका व्यवहार सामान्य ही रहा।

गड़बड़ी और लापरवाही पर 5 पटवारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण में लापरवाही और जमीन की गड़बड़ी करने पर महासमुंद जिले के 5 पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है कि राजस्व संबंधी कार्यों की नियमित समीक्षा के बाद और कारण बताओ नोटिस का समाधानकारक जवाब नहीं मिलने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने यह कार्रवाई की है। षशासन द्वारा 2026-27 के डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु तमाम कार्यवाही 30 सितंबर 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए ⏭शेष पेज 5 पर

भारत को 100% टैरिफ की धमकी के बाद रूस से की सीक्रेट 'ऑयल डील'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश के सबसे अनिश्चितता से भरे राष्ट्राध्यक्ष होने के साथ ही कब कौन सा फैसला लेंगे या घोषणा कर देंगे, कोई नहीं जानता? यहां इस वाक्य का इस्तेमाल इसलिए किया गया है, क्योंकि जो ट्रंप कल तक भारत द्वारा रूस से की जा रही कच्चे तेल की खरीद से नाराज होकर उस पर 100% टैरिफ लगाने लिए एक कानून पर हस्ताक्षर कर चुके थे, कई बार उन्होंने भारत को मास्को से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध को और अधिक भड़काने के लिए जिम्मेदार ठहराया। अब उन्हीं ट्रंप ने खुद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गुप्त रूप से अमेरिका को तेल की आपूर्ति करने के लिए एक समझौता कर लिया है। ट्रूथ सोशल पर शनिवार को की गई एक पोस्ट के जरिए उन्होंने इस बेहद चौंकाने वाली जानकारी को सार्वजनिक किया है। जिसमें यह भी बताया कि समझौते से मॉस्को का तेल अमेरिका के अलावा वैश्विक बाजारों में भी पहुंच सकेगा। लेकिन इस समझौते से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की नाराज हो गए हैं। क्योंकि ये पूरा घटनाक्रम एक ऐसे वक्त में सामने आया है।



ट्रंप बोले- मुझे आठ बार मिलना चाहिए था नोबेल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किए जाने को लेकर नॉर्वे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने जितने युद्ध रुकवाए हैं, उसके हिसाब से उन्हें आठ बार नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने परमाणु शक्ति संपन्न देशों भारत और पाकिस्तान को युद्ध में उलझने से रोककर करोड़ों लोगों की जान बचाई। ट्रंप ने कहा, आपके राष्ट्रपति के रूप में मैंने जिस अमेरिका का नेतृत्व किया। उसे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

कई उड़ानों को किया गया डायवर्ट

रियाद हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल पर मिसाइल हमला, कई घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ काहिरा

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के हवाई अड्डे पर शनिवार को एक बार फिर हमला हुआ। दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों में से एक ने बताया कि एक मिसाइल यात्री टर्मिनल पर गिरी और कई लोग घायल हो गए। मीडिया से बात करने की अनुमति न होने पर दोनों अधिकारियों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। रियाद जाने वाली उड़ानों को दूसरी जगहों की ओर मोड़ दिया गया।

हूती विद्रोहियों से लड़ाई तेज

यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सरकारी बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है, जिसमें सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन, लाल सागर के किनारे हूती विद्रोहियों द्वारा हाल ही में हासिल की गई बढ़त को निष्प्रभावी करने के प्रयास में सरकारी बलों को हवाई सहायता प्रदान कर रहा है।

पांच बारूदी सुरंग को किया गया निष्क्रिय

मेंढर/जम्मू। सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकट पांच बारूदी सुरंग का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। सेना के एक गश्ती दल ने बसोनी टॉप इलाके में सीमा पर लगी बाड़ के पास दो बारूदी सुरंग का पता लगाया। इसी इलाके में एक दिन पहले तीन अन्य बारूदी सुरंग मिली थीं। इसके बाद सेना के बम निरोधक दस्ते ने नियंत्रित विस्फोट कर इन बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया। इस दौरान किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों में घुसपैठ रोकने के लिए बनाई गई अवरोधक व्यवस्था के तहत बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं।







प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने राजनीतिक शासन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके काल में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के लगातार निशाने पर रहने के बावजूद वे दृढ़ रहे हैं। साथ ही देश के विकास में अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और उन पर अमल कराने में सफल माने जा सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। वर्तमान में देश में दूर-दूर तक कोई नेता नहीं, जो नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े लक्ष्य तय



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

किसी राजनेता या मनुष्य की पहचान यही है कि कठिन, विकट और विपरीत परिस्थितियों में भी बिना दबाव में आए और डरे या सहमे बिना आत्मविश्वास के साथ व्यापक और बड़े लक्ष्य निर्धारित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सत्ता के जीवन का मूल्यांकन करें तो आपको दिख जाएगा उन पर यह सिद्धांत सटीक बैठता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता या संभव ही नहीं कि निर्धारित बड़े सभी लक्ष्य उस रूप में हासिल भी हो जाए। सरकार के प्रमुख होने के नाते जो लक्ष्य निर्धारित होते हैं, उनमें केवल मंत्रिमंडल ही नहीं, नौकरशाह, केंद्र से लेकर राज्य और नीचे स्तर तक सारे सरकारी कर्मचारी, मशीनरी और देश के लोगों का भी भरपूर भागीदारी और सहयोग चाहिए होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की सफलताओं के बड़े अंश का दायित्व उस पूरे संघ विचार परिवार को भी जाता है, जिसके वे स्वयंसेवक और प्रचारक रहे। दरअसल, भाजपा अन्य पार्टियों से इस मायने में भिन्न है क्योंकि पूरे संघ संगठन परिवार के लोगों के अंदर यह भाव रहता है कि यह पार्टी या तो हमारी विचारधारा और लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती है या कम से कम उसके सबसे निकट है। इसलिए जो कुछ उनके अपने अनुकूल लगता है, उसमें चरित्र के अनुरूप संगठन लग जाते हैं। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। कोई विरोधी भले नकारे, लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।



जातीय अस्तित्व का कारक हो सकता है नुकसानदायक

मोदी को देश ने भारत के पहले हिंदू नेता के रूप में सिर पर बिठाया और ऐतिहासिक लोकप्रियता दी। इसे और आगे ले जाने का दायित्व उनके नेतृत्व में समूची सरकार और भाजपा का था और है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में जातीय पहचान और जातीय अस्तित्व का कारक फिर डरावने रूप में खड़ा हुआ है। अगर तुरंत सचेत होकर इससे साहसपूर्वक राजनीतिक जोखिम उठाकर बाहर निकालने और देश को निकालने के लिए व्यवहार और नीतियां नहीं हुई तो यह फिर से बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दूसरे, जब देश को 2047 तक दुनिया की बड़ी शक्तियों के समक्ष हर दृष्टि से खड़ा करने का लक्ष्य है, तब सरकार और संसद से लेकर पार्टी के अंदर उसी तरह के प्रतिबद्ध, योग्य, समझ रखने वाले और इसके लिए ही जान लगा देने वाले लोगों की संख्या होनी चाहिए। ऐसा न हो कि पार्टी के ज्यादातर नेता स्वयं को सुरक्षित करने में लगे रहें और केवल औपचारिक रूप से कार्यक्रमों में भागीदारी हो। मोदी जी और उनके निकटतम साथी गृह मंत्री अमित शाह ने जो किया वह अद्भुत है। लेकिन क्या उनके बाद की दृष्टि से भी भाजपा में ऐसी टीम खड़ी हो रही है, जो इतनी व्यापक सोच, प्रतिबद्धता और निष्ठा से केवल देश को केंद्र में रखकर राजनीति और सत्ता संचालन करें? उनके जिम्मे ये दो महत्वपूर्ण आवश्यक दायित्व हैं जिसे उन्हें अपने सेवानिवृत होने के पहले हर हाल में पूरा करना चाहिए।

लोगों के व्यवहार में आया बदलाव

कुछ उदाहरण ले सकते हैं। सरकारी नीतियों में समाज सुधार जैसे कार्यक्रम यानी स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना ,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोग सौर ऊर्जा अपनाएं और बिजली बेचें ,खेत की मेड़ों पर वृक्ष लगाएं, फुहारे वाले यानी स्प्रिंकल सिंचाई का उपयोग करें, मोबाइल का धन लेने और भुगतान में उपयोग करें,लखपति दीदी, सरकारी जमीन और आवास घर की महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने आदि-आदि। समाज के निचले स्तर पर इनके प्रभावों का अध्ययन करने वाले निष्पक्ष लोग देख रहे हैं कि क्या हुआ। यह नहीं कहा जा सकता, जैसे लक्ष्य थे, जिस प्रकार अभियान आरंभ हुआ, वैसे ही सब कुछ हो गया। लेकिन लोगों के अंदर स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सिंचाई में पानी बचाने आदि का विचार पैदा हुआ। यह भी सच है कि अनेक राज्यों में सरकारी महकमों ने लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता फैलाने और अभियान के स्तर पर इन कार्यक्रम को सफलता तक ले जाने की ईमानदार भूमिका नहीं निभाई। अगर हमारे स्वभाव में ही गंदगी है तो फिर कोई प्रधानमंत्री पूरी तरह दूर नहीं कर सकता। बावजूद यह मानना पड़ेगा कि 2014 से लेकर 2026 तक लोगों की मानसिकता, व्यवहार और इन कार्यक्रमों की परिणतियों से बहुत बड़ा अंतर आया है।

पंचायतों की भूमिका शर्मनाक

विरोधियों में नरेंद्र मोदी और भाजपा आदि को लेकर अजीब किस्म की वितृष्णा और घृणा है। वे हर कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हैं और स्वाभाविक ही उनका जो देश के नागरिक और नेता के नाते जैसा सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है। सारे विषय सामाजिक - आर्थिक क्रांति के हैं और इसमें सबकी भागीदारी चाहिए जो नहीं हो पाई है। राहुल गांधी से लेकर अनेक नेता स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन क्या उनका दायित्व नहीं था, इसमें सहभागिता करके इसे सफलता तक ले जाने के लिए परिश्रम करें? स्वच्छता अभियान तो गांधी जी के जन्म दिवस पर आरंभ हुआ और उनके डेढ़ सौ वीं जन्म शती वर्ष को ध्यान में रखते हुए। इसी तरह प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों का कलेवर बदलने के अनेक कार्यक्रम नरेंद्र मोदी सरकार ने दिए और इसी में स्मार्ट क्लास एक था। यह सफेद झूठ है कि इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अगर आप धरातल पर जाएंगे तो बहुत कुछ हुआ लेकिन फिर सरकारी महकमों और पंचायतों की भूमिका कई स्तरों पर शर्मनाक रही है। जब ग्राम पंचायत के प्रधान वहां के वार्ड मेंबर ही चोरी करने लगेंगे और उनका उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता से ज्यादा धन कमाना होगा तो कठिनाई आएगी। जहां लोग जागरूक थे, वहां परिवर्तन आए हैं।

नई शिक्षा नीति से परिवर्तन

शिक्षा सुधार की दृष्टि से नई शिक्षा नीति स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहला प्रयास है जिसमें छात्रों के बचपन से लेकर युवावस्था तक उनकी वास्तविक प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने, अनुभवों, उनके जीवन दिशा निर्धारित होने तथा भारत की विविधताओं से एक-दूसरे से परिचित होने के कार्यक्रम हैं। जहां लागू हो रहे हैं, वहां धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। लेकिन जिन विरोधी सरकारों को केवल विरोध करना है और इसे भगवाकरण बताना है, वहां आप क्या कर सकते हैं। विदेश नीति और आतंकवाद विरोधी नीतियों तक का जब देश में विरोध होगा और एकजुटता नहीं दिखेगी, किसी भी प्रधानमंत्री के लिए शत प्रतिशत सफलता तक ले जाना कठिन होगा। इसके बावजूद मोदी सरकार ने पाकिस्तान के संदर्भ में सीमा पार आतंकवाद पर घर में घुसकर मारने का जो साहस दिखाया, उसे दुनिया स्वीकार रही है। जम्मू कश्मीर पहले से मौलिक तौर पर ज्यादा सुरक्षित हुआ है, किंतु अभी इसकी पूर्ण सुरक्षा और पाकिस्तान की हरकतों पर संपूर्ण नियंत्रण होना शेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को केंद्र बनाएं तो कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो वाकई चिंताजनक हैं और उन पर गहराई से फोकस कर काम करने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हर कटाक्ष से और मजबूत हुए मोदी



चुनौती

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में एक से बढ़कर एक नेता आए। देश की सत्ता परिवर्तन करने में कई नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया और उसी कड़ी में हाल ही के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। लगातार ढाई दशक से देश की राजनीति की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं। कई बार विभिन्न तरीके के उतार-चढ़ाव आए लेकिन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए अपने वर्चस्व को बनाए रखा। राजनीति में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और सिलसिला अभी भी जारी है। भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी का उदय और उनका लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में बने रहना समकालीन लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह सवाल कि क्या विपक्ष में कोई नेता उनका मुकाबला कर सकता है, केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी परिणामों, नेतृत्व, संगठन और वैकल्पिक नीतियों के आधार पर भी समझा जाना चाहिए। नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला और दिसंबर 2012 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान गुजरात की राजनीति में उनका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया। विकास, प्रशासन, निवेश और मजबूत नेतृत्व की छवि को उन्होंने अपने राजनीतिक संदेश का केंद्रीय आधार बनाया। उनके समर्थकों ने इस मॉडल को गुजरात के विकास से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। वर्ष 2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख चेहरा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मोदी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भाजपा ने एक बार फिर अपना बहुमत बढ़ाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और अपने दम पर बहुमत से दूर रही लेकिन एनडीए ने बहुमत प्राप्त किया और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। यह तथ्य उनके राजनीतिक प्रभाव के साथ-साथ गठबंधन की राजनीति के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टिकोण रखना है। मोदी सरकार को भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक सद्भाव, केंद्रीय संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मोदी और भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे विषयों को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सभाएं, रेडियो कार्यक्रम, डिजिटल माध्यमों पर सक्रियता और व्यापक चुनावी प्रचार उनकी राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से रहे हैं। मोदी की राजनीति की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को स्थानीय चुनावी विमर्श से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे समर्थकों तक एक स्पष्ट संदेश पहुंचता है। हालांकि, किसी भी नेता की छवि केवल उसके अपने प्रचार से निर्धारित नहीं होती; जनता का अनुभव, स्थानीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी चुनावी फैसलों को प्रभावित करता है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारतीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। बाद के दशकों में भाजपा के विस्तार, क्षेत्रीय दलों के उभार और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों ने कांग्रेस की स्थिति को चुनौती दी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी नेतृत्व को लेकर सवाल उठे। लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। कांग्रेस ने 2019 की 52 सीटों के मुकाबले 2024 में 99 सीटें हासिल कीं। विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी कई राज्यों में भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत की। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस या पूरा विपक्ष मुकाबले की स्थिति में नहीं है, चुनावी तथ्यों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। राजनीतिक मुकाबला केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होता। संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों का चयन, क्षेत्रीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण, गठबंधन, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाएं भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तमाम चुनौतियों के बाद भी मोदी ने अपनी लोकप्रियता में अब तक कोई कमी नहीं आने दी। विपक्ष द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन ने एक बार को तो मोदी को बड़ी टक्कर देने की हुंकार भी भर ली थी, लेकिन बावजूद इसके किला नहीं भेद पाए। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

संवैधानिक अधिकार की प्रतीक्षा में भोजपुरी



विचार

सुधाकर सिंह

सांसद-लोकसभा बक्सर



शिवेन्द्र राणा

परियोजना सहयोगी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हिन्दी दिवस बीता। भाषा के सम्मान के बड़े दावों में भोजपुरी भाषी समाज आज स्वतंत्रता के सात दशकों बाद भी प्रश्नवाचक मुद्रा में खड़ा है। जिसे आज भी भी संविधान से न्याय की दरकार है. किन्तु वर्तमान का कटु यथार्थ यही है कि आज सात दशकों से भी अधिक समय पूर्व भारत की स्वतंत्रता एवं संवैधानिक व्यवस्था लागू होने के बाद भी भोजपुरी एवं भोजपुरी भाषी समाज राजनैतिक वादों और संसदीय मजबूरी के बियावन में भटक रहा है।

भाषाई अस्मिता की लड़ाई के इतिहास में भोजपुरी का संघर्ष करीब पांच दशक से भी अधिक पुराना है। सर्वप्रथम कॉमरेड भोगेंद्र झा द्वारा 1969 में प्राइवेट मेंबर बिल लेकर आने से अब तक संसद में इसके लिए 18 निजी बिल आ चुके हैं। इसके अलावा कई बार ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से भी और शून्यकाल के दौरान भी इस मुद्दे को सदन में उठाया जा चुका है लेकिन कभी बोली -भाषा के भेद का तर्क पर, तो कभी नियमों की अस्पष्टता का हवाले से बात आश्वासन तक ही सीमित रही और नतीजा अनिश्चित ही रहा। वर्ष 2003 के 92वें संशोधन के पश्चात आठवीं अनुसूची में सम्मिलित होने का मार्ग क्षेत्रीय भाषाओं के लिए आज तो बन्द है।

अब संवैधानिक तर्कों एवं राजनैतिक विमर्श पर भोजपुरी के दावे का आधार भी देख लें। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 20 करोड़ भारत में और दुनिया के दूसरे 15 देशों से अधिक देशों यथा, फिजी, नेपाल, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम आदि में 4 करोड़ भोजपुरी भाषियों की संख्या का अनुमान है तथा उपरोक्त विश्व के करीब आठ अन्य देशों में भोजपुरी एक सम्मानित भाषा का दर्जा रखती है तथा वहां के शिक्षण संस्थानों एवं मिडिया जगत में भी इस भाषा का भरपूर इस्तेमाल होता है। ज्ञातव्य है कि 2016 में मॉरीशस की पहल पर यूनेस्को द्वारा भोजपुरी संस्कृति के 'गीत-गवनई' को सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिया गया। यानि तात्पर्य यह है कि आज भारत सरकार जिस भाषा को अपने मूल देश में सम्मान नहीं दे पा रही वो पहले से विश्व के कई देशों में पहले से सम्मानित है और जो काम भोजपुरी उत्पत्ति के मूल राष्ट्र भारत को करना चाहिए था उसे किसी दूसरे देश ने किया। शचीन्द्रनाथ सन्याल 'बंदी जीवन' की भूमिका में लिखा है,' ''किसी समाज को पहचानने के लिए उस समाज के साहित्य से परिचित होने की परम आवश्यकता होती है, क्योंकि समाज के प्राणों की चेतना उस समाज के साहित्य में भी प्रतिबिम्बित हुआ करती है। इसी अनुरूप यदि वास्तविक भोजपुरी समाज का सही निरुपण देखना हो तो विमलानंद सरस्वती की बउधायन, सर्वहारा के कवि जगदीश ओझा की जुलुम भइले राम, विवेकी राय की 'के कहल चुनरी रंगा ल', हृदयेश जी की भोजपुरी सतसई, रामनाथ पाण्डेय की बिंदिया, रहनिदार बेटी, रामप्रसाद राय की थरूहट के बउआ और बहुरिया जैसे भोजपुरी साहित्य का सानिध्य लीजिये, आप भोजपुरी के अंतर्मन को समझ पाएंगे।

आठवीं अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करने के पीछे संवैधानिक मान्यता मुख्यः दो उद्देश्यों पर आधारित है, पहला इन भाषाओं के सदस्यों को राजभाषा आयोग में प्रतिनिधित्व मिले और दूसरा इन भाषाओं के रूप, शैली एवं भावों का प्रयोग हिन्दी को समृद्ध बनाने में किया जाये। अर्थात क्षेत्रीय भाषा आठवीं अनुसूची की सुविधा के बदले एक अधिकार प्राप्त होता है और एक कर्तव्य पूर्ति करनी होती है। इसमें पहले अधिकार की माँग भोजपुरी कर रही है जिसके लायक उसे वर्तमान तक समझा नहीं गया और दूसरे, कर्तव्य का पालन वह दशकों से करती आ रही है। यानि भोजपुरी ने राजभाषा के सम्मान में अधिकार के बिना निरंतर दायित्व को पूर्ण किया है। हिन्दी साहित्य का सम्पूर्ण आधुनिक पूर्व का साहित्य तो पूर्व की भाषाओं - बोलियों के साहित्य, शब्द कोष और लेखन संस्कृति ओर आधारित है जिसमें भोजपुरी की प्रमुख भूमिका है।

भाषायी एकता के नाम पर एक बुद्धिजीवी वर्ग भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार का विरोधी भी है ताकि हिंदी के एकाधिकार को भोजपुरी चुनौती ना दे सके लेकिन ये कितनी विषमतापूर्ण बात है कि भाषाई एकता स्थापित करने के जूनून में देशज संस्कृतियों का दमन का प्रयास हो और भोजपुरी जैसी प्राचीन भाषा को संवैधानिक संरक्षण से वंचित कर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से वे यही कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त यह विडंबना है कि एक तरफ तो हम हर नये जनगणना आंकड़ों के साथ प्राचीन भाषाओं की विलुप्ति का रोना रोते हैं और उनके संरक्षण के लिए उद्घघोषणा और योजना निर्माण की संवेदना व्यक्त करते हैं। वही भोजपुरी जैसी समृद्ध भाषा को उसके अधिकार से वंचित करके उसके क्षरण को मूक आमंत्रण दे रहे हैं।

भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार के विरोधियों को ये भी जानना होगा कि राष्ट्रीय एकता का मजबूत लोकतान्त्रिक ढांचा भाषा, क्षेत्रवाद, जाति, पंथ जैसे क्षुद्र मुद्दों के त्याग पर खड़ा होता है और राजभाषा को समर्थवान बनाने के लिए सबसे ज्यादा त्याग हिन्दी के पक्ष में भोजपुरी ने किया है। सर्वविदित है कि भोजपुरी-अवधी के उन्नयन की समाधि पर ही हिन्दी का भव्य महल खड़ा किया गया है। हिन्दी के महानतम, मूर्धन्य साहित्यकारों भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद से लेकर आचार्य रामचंद्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी तक की समृद्ध परंपरा इन्हीं भाषा द्वय तथा इन्हीं क्षेत्रों के भूमिपुत्र थे लेकिन इन युगल भाषाओं के प्रतिनिधि क्षेत्रों की मूल सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना ने ही अपने सरस्वती के वरद पुत्रों को राष्ट्रीय एकता के सन्दर्भ में राष्ट्रभाषा हिन्दी की समृद्ध परंपरा के कर्मठ उन्नायक बनने के लिए प्रेरित किया। यह कहने का तात्पर्य है कि राष्ट्रीय एकता के लिए सभी को अपने निजी दृष्टिकोण को उदारता के सांचे में ढालने के लिए तत्पर होना चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि देश के हर भाषा एवं स्थानीय संस्कृति का संरक्षण, परिवर्धन होता रहे, इसे राष्ट्रीय दायित्व के रूप में स्वीकारना होगा।

वरन इसके दूसरे पक्षानुसार जिस तरह भाषाई अस्मिता का संघर्ष राष्ट्रीय एकता के लिए बाधा पैदा करता है, वैसे ही यह प्रादेशिक समाज में भी अंतर्विरोध पैदा करता है। इस विरोध का निशाना अकसर राजभाषा हिंदी बनती रही है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, केरल, आंध्रा के भाषायी आंदोलन इसके प्रमाण हैं। हिंदी की अधिकारिता के नाम पर भोजपुरिया समाज की भावनाओं की अवहेलना उन्हें ऐसे ही उग्र आंदोलन के लिया उकसा सकता है। सवाल है कि क्या सरकार इनकी सुध तभी लेगी जब दक्षिण भारत की तरह पूर्वांचल और बिहार में अपनी भाषा के सम्मान के लिए दंगे- फसाद पर उतार आएंगे। ऐसे में, देश को भोजपुरी भाषियों के संवैधानिक आस्था और संयम की भी प्रशंसा करनी चाहिए जिन्होंने अपने वाचिक विधायी अधिकार के हेतु हिंसा और भयादोहन का सहारा नहीं लिया। किन्तु कटु यथार्थ है कि भोजपुरी हिंदी के सर्वांगीण प्रसार के समक्ष अपनी जीवंत संवेदना के प्रतिरोध से आज तक स्वतंत्र अस्तित्व कायम किये हुए है, जो अब खतरे में दिख रहा है। जिन्होंने ये प्रश्न किया है कि भोजपुरी का क्या शैक्षाणिक उपयोग है उनसे पहले ये प्रश्न किया जाना चाहिए कि डोगरी, नेपाली आदि भाषाएँ जो संवैधानिक सूची में दर्ज हैं, उनका क्या उपयोग है या यूजीसी के पाठ्यक्रम में शामिल बाकी सैकड़ो विषयों की किसी व्यक्ति के जीवन में क्या उपयोगिता है? उन्हें ये भी जानना चाहिए कि उपयोगिता तय करना या बढ़ाना सरकार और सत्ता तंत्र का काम हैं, क्योंकि जब समाज की मातृ भाषा रोजगार और व्यापार की भी भाषा बनेगी तो उसकी राष्ट्रीय उपयोगिता स्वतः सिद्ध होगी। अतः अपनी कार्यात्मक काहिलियत छुपाने के लिए सत्ता तंत्र प्रायोजित बुद्धिजीवियों द्वारा ऐसे ओछे तर्क नहीं दिये जाने चाहिए। आज काशी हिंदू विश्वविद्यालय, शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि, वीर कुंअर सिंह वि.वि., इंदिरा गांधी राष्ट्रीयमुक्त वि.वि., नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा जैसे देश के लगभग दर्जन भर से अधिक विश्वविद्यालयों में भोजपुरी से जुड़े पाठ्यक्रम चल रहे हैं लेकिन इस भाषा से सम्बंधित और आधारित रोजगार और व्यवसाय के भविष्य पर भी सत्ता तंत्र मौन रहे हैं और यदि सवाल भाषा बोलने वालों की संख्या पैमाना हैं तो आठवीं अनुसूची में शामिल मैथिली, सिंधी, डोगरी और नेपाली,कोंकणी जैसी लगभग दस भाषाओं के बोलने वालों से भोजपुरी भाषियों की संख्या कही अधिक है तो फिर भोजपुरी को संवैधानिक अधिकार से वंचित करने के पीछे क्या तर्क शेष रहता है?

देश ने अपना खोया गौरव हासिल किया



उपलब्धि

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

साल अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि वे एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे वजहें भी थीं। मोदी का गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य को चार मुख्यमंत्रियों को देखना पड़ा था। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं थे और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित हो चुके थे।

इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत बन चुके हैं। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और सर्वस्वीकार्यता कम ही मिलती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिल जाता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं हो रही थीं, जैसे आज मोदी के कई कदमों की कटु आलोचना उनके वैचारिक विरोधी करते हैं। वैसे भी भारतीय समाज पदधारियों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, समाज उसका कुछ अपवादों को छोड़ प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण लें सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे और आडवाणी कट्टर। लिहाजा वे आलोचनाओं के केंद्र में थे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में आने वाले दिनों में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का दूसरा नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। मोदी की सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही, इसमें वे कामयाब रहे। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड की वजह से भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड





'द ओडिसी' ने भारत में रचा इतिहास, आईएमएएक्स से 100 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म बनी

मुंबई। हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' ने भारत में इतिहास रच दिया है। सिर्फ आईएमएएक्स स्क्रीन्स के जरिए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले किसी भारतीय या अंतरराष्ट्रीय फिल्म ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। यह फिल्म 17 जुलाई, 2026 को भारत और दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने 16 सितंबर को अपने 9वें हफ्ते में यह आंकड़ा पार किया, जिसका आधिकारिक ऐलान अब किया गया है। निर्माताओं द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, फिल्म की कुल भारतीय कमाई में आईएमएएक्स का योगदान लगभग 43 प्रतिशत रहा, जबकि देशभर में कुल स्क्रीनों में से सिर्फ 1 प्रतिशत से कुछ ज्यादा स्क्रीन आईएमएएक्स द्वारा प्रदर्शित की गई थीं। इस उपलब्धि के साथ, 'द ओडिसी' भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे कमाऊ आईएमएएक्स फिल्म बन चुकी है।



पैपराजी पर फूटा गुस्सा... अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी



मुंबई। सालों से बॉलीवुड से दूरी बनाने वालीं बिपाशा बसु अब फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह इन दिनों मुंबई में अपनी नई वेब सीरीज की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, उनसे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि बिपाशा वीडियो में पैपराजी पर भड़क गईं थीं, जिस पर अब अभिनेत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी है। वीडियो में बिपाशा एक फिल्म स्टूडियो के बाहर दिखाई दीं, जहां पैपराजी भी मौजूद थे। इस दौरान वह जल्दी में लगीं और कथित तौर पर पैपराजी पर भड़क गईं। अभिनेत्री ने कहा, चलिए यहां से, किसने बुलाया आपको? इस वीडियो को एक इंस्टाग्राम अकाउंट ने साझा करते हुए बिपाशा पर उंगली उठाई कि वह पैपराजी को नजरअंदाज कर रही हैं और उन पर गुस्सा करती नजर आई हैं।

लाइफ Style

यामी गौतम

यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' दशहरा के मौके पर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। फिल्म का ट्रेलर निर्माताओं द्वारा जारी किया जा चुका है, जिसमें अभिनेत्री का अब तक का सबसे अलग किरदार दिखा।

'नई नवेली' के गाने में जमकर झूमीं

एजेंसी ⏭ मुंबई

अब इसका नया गाना 'फटा पटाखा' यूट्यूब पर जारी किया गया है जो ऊर्जा से भरपूर एक धमाकेदार डांस पार्टी पर केंद्रित है। इसमें जॉम्बी के साथ यामी का डांस देखने लायक है। यह गाना सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देगा। जॉम्बी पार्टी करती दिखीं यामी, दिखी अनोखी दुनिया जी म्यूजिक कंपनी द्वारा अमेजन, एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो के सहयोग से प्रस्तुत, 'फटा पटाखा' को मधुबंती बागची ने आवाज दी है।

संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने के वीडियो में जॉम्बी की एक अनोखी दुनिया दिखती है, जिसमें यामी डांस कर रही हैं। बालाजी मोहन द्वारा निर्देशित 'नई नवेली' एक मनोरंजक-पारिवारिक फिल्म है, जिसमें कॉमेडी, रहस्य और रोमांच का तड़का लगाया गया है। यह 16 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होगी।

नानी ने किया निथिन की 'एलियास रुक्मिणी' का ऐलान



मुंबई। नानी अब एक नई तेलुगू फिल्म 'एलियास रुक्मिणी' के प्रस्तुतकर्ता बन गए हैं। यह फिल्म निथिन अभिनीत है और 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह घोषणा अभी हुई है, साथ ही 13 अक्टूबर को फिल्म के मुख्य किरदार के बारे में और जानकारी देने का वादा किया गया है। नानी ने इस फिल्म को 'साल की सबसे खूबसूरत तेलुगू फिल्म' बताया है। मुरली कांत देवसोथ ने इस फिल्म का निर्देशन किया है और इसके निर्माता दीप्ती गांटा हैं। फिल्म की कहानी में एक दिलचस्प मोड़ है, जहां निथिन का किरदार खुलासा करता है कि रुक्मिणी, जिसका नाम एक लेखक के तौर पर सामने आता है, असल में उसकी पत्नी है।





Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th Nov 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000 - ₹10000) is available on all HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank Credit Cards (Tenure 6 months to 24 months). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th Nov 2026. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: RAIPUR: A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 9755887766; Parth Honda (Gariyabandh) - 8830909392; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; G.K Honda (Katora talab) - 9826142444; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; Varun Honda (Gudhiyari) - 9131211919; **AARANG:** V Shree Honda - 9993908971; **ABHANPUR:** Patel Honda - 9009328660; **BAGBHARA:** Sri Sai Honda - 7697767777; **BALODA BAZAR:** Kiran Honda - 7049518181; **BASNA:** Laxmi Honda - 9174137571; **BEERGAON:** Vishwanath Honda - 9300133077; **PALARI:** Shri Ram Honda - 9669537645; **BEMETARA:** Sri Rama Honda - 8827050000; **BHAKARA:** Nitesh Honda - 9907975628; **BHATAPARA:** Kiran Honda - 9111353292; **BHILAI:** Aan Honda (Nehru Nagar) - 8518020999; Aan Honda (Powerhouse) - 8518020777; **BIJAPUR:** Ansh Honda - 9424299203; **CHARODA:** Rahul Honda - 9827193194; **CHARAMA:** Neeraj Honda - 9425230052; **CHUIKHADAN:** Shri Radhey Honda - 9691692500; **DALLIRAJHARA:** Shri Subh Honda - 9406082344; Shri Subh Honda (Balod) - 9425564232; **DHAMTARI:** ShriShyam Honda - 9827900750; **DHARSIVA:** R S.Honda - 9669880000; **DONGARGARH:** Gagan Honda - 9425560030; **DURG:** Shree Sairam Honda - 8458882333; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; Shree Honda (Patan) - 9203304122; Tanay Honda (Jamul) - 9201837830; Umang Honda (Kumhari) - 8817327307; **FINGESHWAR:** Bangani Honda - 9425402966; **GIDHORI:** Subhkamana Auto - 9575569608; **GUNDERDEHI:** Sapan Honda - 7354340000; **GURUR:** Baba Honda - 9827936712; Shri Ji Honda - 7000167266; **NARAYANPUR:** Shri Ji Honda - 9406341563; **JAGDALPUR:** Waheguru Honda - 8435090005; **KONDAGAON:** Danteshwari Honda - 9294566660; **SUKMA:** Akash Honda - 9424287457; **PHARASGAON:** Shri Deo Honda - 9993861735; **KANKER:** Shivnath Honda - 7970005301; **KASDOL:** Laxmi Honda - 8871233553; **BHATGAON:** Kiran Honda - 9039006983; **LAWAN:** Kiran Honda - 7987171017; **SANDI:** Kiran Honda - 9039006981; **LIMTARA:** Mahalaxmi Honda - 7047015877; **SARSIWA:** Pratham Honda - 8770799808; **SIMGA:** Shiv Honda - 8319973368; **SUHELA:** Rajju Honda - 8819986810; **KESHKAL:** Chattishgarh Honda - 9993293467; **KHAIRAGARH:** Akshat Honda - 9406534734; **KURUD:** Shri Shyam Honda - 07705223590; **MAGALDAD:** Dewangan Honda - 9098136447; **MAHASAMUND:** Sri Aryan Honda - 8120070000; **NAGRI:** Nahta Honda - 9424211105; **NAWAGARH:** Raja Honda - 9826067896; **PAKHANJUR:** Disha Honda - 6261666932; **PANDUKA (DARIABAND):** Shresth Honda - 8109902966; **RAJIM:** Gulab Honda - 8839708788; **RAJNANDGAON:** Anshdeep Honda - 9425559359; Manraj Honda - 8435999991; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9424157777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; **SEJBAHAR:** R.S Honda - 9754123000; **KHARORA:** B.K Honda - 9867224777; **TILDA:** Agrawal Honda - 9424200104; **UTAI:** Ganpati Honda - 09926083389; **SARAIPALI:** Pukraj Honda - 8889798000.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

शारदीय नवरात्र विशेष

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्मइ गोलू की सजावट

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। k

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन

भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।


सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

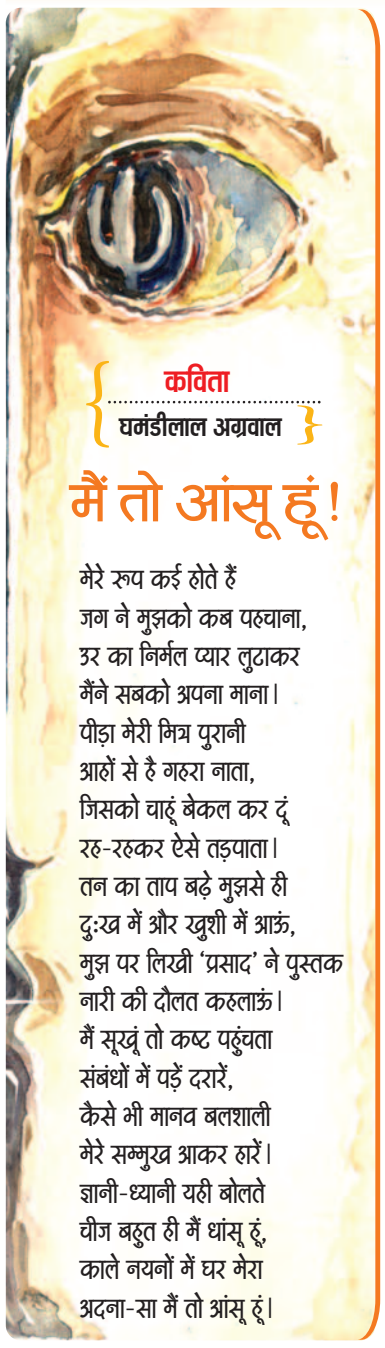
मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। k



कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। k

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

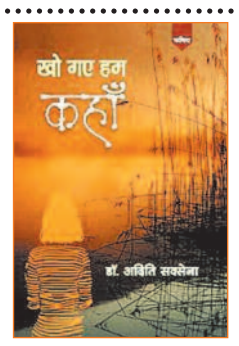


उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। k

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं



पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। k

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

भविष्य के रक्षा संबंध प्रौद्योगिकी पर आधारित होंगे : राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बढ़ते सैन्य खतरों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका का नाम लिए बगैर जोधपुर एयरबेस से पूरी दुनिया को संदेश देते हुए कहा कि आगामी समय में रक्षा संबंध हथियार प्रणालियों तक सीमित नहीं रहेंगे। बल्कि यह प्रौद्योगिकी और विश्वास पर आधारित होंगे। भारत अनुसंधान, संयुक्त विकास, सह-उत्पादन, रखरखाव, प्रशिक्षण और नवाचार जैसे तमाम क्षेत्रों में समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशने का इच्छुक है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने शनिवार को राजस्थान में आयोजित किए जा रहे बहुराष्ट्रीय तरंगशक्ति युद्धाभ्यास-2026 के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए दी है। उनके इस बयान को रक्षा मंत्रालय ने मीडिया से साझा किया है।

मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दिया जोर

राजनाथ सिंह के मुताबिक, आज के दौर में हमें मजबूत विश्वसनीय साझेदारियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्व को समझना और स्वीकार करना पड़ेगा। इसी के साथ सार्थक सहयोग के जरिए स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण भी आगे बढ़ना चाहिए। नई दिल्ली को जरूरत पड़ने पर बिना किसी की मदद के स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने में भी पूरी तरह से सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा जब हमारे देश के हितों और जिम्मेदारियों का मेल दूसरे देशों के साथ हो। तब उनके साथ प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता भी होनी चाहिए।

चौकसी में न रहे कोई कमी

उन्होंने कहा कि भावी सैन्य शक्ति को निर्धारण करने वाले कारकों में गति, सटीकता, सूचना और एकीकृत सैन्य क्षमता बड़े पैमाने पर उभरकर सामने आए हैं। लेकिन हमें तेजी से बदलते भू-सामरिक परिदृश्य के मध्य रक्षा क्षेत्र में जुड़ी अनिश्चितताओं के मद्देनजर लगातार अपनी सतर्कता को बनाए रखना होगा। वहीं, दीर्घावधि सैन्य संघर्षों और अनिश्चितताओं में अपनी क्षमता को बनाए रखने के लिए देश के पास अपने हथियारों और प्रौद्योगिकियों का उत्पादन करने की कुवत भी होनी चाहिए। सैन्य शक्ति का आकलन लक्ष्य का पता लगाने, उसे समझने, निर्णय लेने तथा कार्रवाई करने की गति से होगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह का कोई महत्व नहीं: जायसवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के मध्य संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह या इसके प्रस्तावों, कार्यालयों (यूएनएमओजीआईपी) का कोई महत्व नहीं है। वर्ष 1972 में दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के बाद से इसकी प्रासंगिकता पूरी तरह से समाप्त हो चुकी है। बीते दिनों संयुक्त राष्ट्र महासचिव (यूएनएसजी) एंटोनियो गुटेरेस की हालिया पाकिस्तान यात्रा के दौरान वहां मौजूद यूएनएमओजीआईपी कार्यालय का दौरा कर वहां मौजूद स्टाफ को संबोधित किया गया था। जिसे लेकर शुक्रवार को राजधानी में हुई मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह जानकारी दी है।

पुनः दोहराया भारत का रुख

उन्होंने कहा हमारा हमेशा से इस मामले पर यह स्पष्ट रुख रहा है कि दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित शिमला समझौते के बाद से यूएन के भारत, पाकिस्तान में मौजूद उक्त यूएन कार्यालय औचित्यहीन हैं। बताते चलें कि इस समझौते के तहत कश्मीर से लेकर दोनों देशों के बीच होने वाले अन्य सभी विवादों का समाधान सिर्फ और सिर्फ द्विपक्षीय आधार पर ही निकाले जाने को लेकर आधिकारिक रूप से स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके बाद मामले में दुनिया के किसी अन्य देश, पक्ष या फिर यूएन के हस्तक्षेप की आवश्यकता स्वतः ही समाप्त हो जाती है।

रूसी सेना से छुड़ाए गए 139 भारतीय

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में रणधीर ने बताया कि रूस की सेना में जानबूझकर भर्ती होने वाले भारतीयों के मामले को लेकर मंत्रालय ने चेतावनी के साथ कई परामर्श जारी किए हैं। ताजा आंकड़ों के हिसाब से रूस की सेना में 259 भारतीय तैनात थे। जिनमें से 139 को रिहा कराया गया है। ये सभी लोग सुरक्षित देश वापस लौट चुके हैं। जबकि हमारे आकलन के हिसाब से आज भी 69 लोग ऐसे हैं, जो मास्को की सेना में तैनात हैं। सभी की तलाश करने के लिए मंत्रालय रूसी अधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है।

दिल्ली में पीजी-हॉस्टल की निगरानी के लिए बनेगा वेब पोर्टल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में छात्रों के पीजी आवासों की जानकारी जुटाने के लिए वेब पोर्टल शुरू करेगी। अगले 3 दिनों में 100 जगहों की जांच होगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को हाई पावर्ड कमेटी (एचपीसी) की दूसरी बैठक के बाद यह जानकारी दी। शुरुआत में पोर्टल को आसान रखा जाएगा। इसमें कमरों की संख्या, बुनियादी सुविधाओं और अन्य जरूरी जानकारियों का ब्योरा दर्ज किया जाएगा। समिति मास्टर प्लान और डीएमसी एक्ट में जरूरी बदलावों और संभावित छूट का भी अध्ययन करेगी। सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 2022 से 2025 के बीच दिल्ली में बिल्डिंग गिरने की 1,133 घटनाएं सामने आईं। इनमें 98 लोगों की मौत हुई।

केटी जकारिया बनीं व्हाइट हाउस की नई प्रेस सेक्रेटरी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने केटी जकारिया को व्हाइट हाउस का नया सेक्रेटरी बनाया है। उन्होंने कैरोलिन लेविट की जगह ली है, जिन्होंने अगस्त में यह पद छोड़ दिया था। 41 साल की जकारिया वकील रह चुकी हैं और फिलहाल ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में सलाहकार हैं। यह कंपनी ट्रम्प के सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल को चलाती है।

जैकेट के शेष

नवरात्रि के बाद ....

जुड़ी है। वे नगर और आसपास के विभिन्न मंदिरों में नवरात्रि के अवसर पर सेवा कार्य किया करते थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि नवरात्रि संपन्न होने और ज्योति कलशों के विसर्जन के बाद कई कलश इधर-उधर बिखरे पड़े रहते हैं। जिन कलशों में नौ दिनों तक श्रद्धालु माता की आराधना करते हैं, ज्योति प्रज्वलित करते हैं और अपनी मनोकामनाएँ अर्पित करते हैं, उन्हें इस तरह बिखरा देखकर उनके मन में उन्हें एक स्थान पर सहेजने का विचार आया। इसी विचार ने आगे चलकर मंदिर निर्माण का रूप लिया। नरेंद्र बाबा ने विभिन्न मंदिरों में जाकर उनके संस्थापकों और सेवकों से संपर्क किया तथा नवरात्रि के बाद उपलब्ध होने वाले ज्योति कलशों को एकत्रित करना शुरू किया। धीरे-धीरे कलशों का संग्रह बढ़ता गया और उन्हें एक विशिष्ट धार्मिक संरचना के रूप में विकसित करने की योजना तैयार हुई।

वर्ष 2010 में रखी गई कलश मंदिर की नींव : नरेंद्र बाबा के संकल्प और निरंतर प्रयासों से वर्ष 2010 में कलश मंदिर की स्थापना की गई। एकत्रित कलशों को एक-दूसरे के ऊपर व्यवस्थित कर मंदिर को विशिष्ट स्वरूप देने का प्रयास किया गया। इस प्रकार नवरात्रि की धार्मिक परंपरा से जुड़े कलशों को एक नई पहचान मिली। मंदिर की स्थापना के पीछे उद्देश्य केवल एक धार्मिक संरचना तैयार करना नहीं था, बल्कि श्रद्धा के प्रतीकों को सहेजना और उन्हें स्थायी रूप देना भी था। शुरुआत में इस पहल को व्यापक सहयोग नहीं मिला, फिर भी नरेंद्र बाबा अपने साथियों के साथ मंदिर की सेवा और विकास में जुटे रहे। एक-एक कलश को जोड़कर मंदिर का स्वरूप विकसित करने की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से सीमित संसाधनों में भी एक विशिष्ट धार्मिक स्थल का निर्माण किया जा सकता है।

स्वप्न में मिले संकेत और मूर्ति स्थापना की मान्यता : कलश मंदिर से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं में देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की स्थापना का प्रसंग भी महत्वपूर्ण है। मंदिर से जुड़े विवरण के अनुसार, संस्थापक नरेंद्र बाबा को स्वप्न में एक मूर्ति के संबंध में संकेत प्राप्त हुआ। बताया जाता है कि बेमेतरा जिले के रानी-जानी गाँव में जमीन के भीतर एक मूर्ति मिली थी, जिसे ग्रामीणों की सहमति से मंदिर में स्थापित किया गया। इसके बाद धार्मिक आस्था और स्वप्नों से जुड़ी मान्यताओं के आधार पर मंदिर में अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की स्थापना का क्रम आगे बढ़ा। आज मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान गणेश, शनिदेव, संतोषी माता, दुर्गा माता, सरस्वती माता, ऋषि भगवान, भगवान कृष्ण, माँ काली और भगवान हनुमान जी सहित विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ स्थापित हैं। इनमें भगवान हनुमान जी मंदिर के प्रमुख आराध्य के रूप में विशेष महत्व रखते हैं।

नवरात्रि में उमड़ती ....

में प्रज्वलित ज्योतियाँ श्रद्धालुओं के लिए आस्था, आशा और मनोकामना का प्रतीक हैं। कलश मंदिर का विकास निरंतर प्रयासों और धार्मिक समर्पण से जुड़ा रहा है। नरेंद्र बाबा और उनके साथियों ने शुरुआती चुनौतियों के बावजूद मंदिर की सेवा जारी रखी। समय के साथ मंदिर का स्वरूप विकसित हुआ और श्रद्धालुओं का जुड़ाव बढ़ा।

मां महामाया मंदिर में ....

मंदिर के व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने बताया कि इस बार 31 हजार के करीब ज्योतिकलश प्रज्जवलित होंगे। इनमें 25500 तेल के ज्योति एवं 4 हजार घृत ज्योति कलश के अलावा 1500 आजीवन ज्योति कलश के शामिल हैं।

मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक बुकिंग के लिए अलग-अलग जगहों में काउंटर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आनलाइन बुकिंग भी की जा रही है। इसे लेकर भक्तों में उत्सह है। प्रतिदिन बुकिंग के लिए अलग-अलग देशों से भी भक्त संपर्क कर रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक नवरात्र को लेकर महामाया मंदिर में रंग-रोगन से लेकर साफ-सफाई का काम पूरा कर लिया गया है।

हरिभूमि-आईएनएच की ....

रिमोन के उपचार के लिए राज्य सरकार हर संभव मदद करेगी। आईएनएच न्यूज के साथ लाइव चर्चा में उन्होंने 13 लाख रुपए के इंजेक्शन के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गंभीर एवं दुर्लभ बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद परिवारों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना ऐसे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण संबल बन रही है, जिनके लिए गंभीर बीमारी के उपचार का खर्च स्वयं वहन करना कठिन होता है। इस योजना के माध्यम से पात्र जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक अभाव किसी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने और गंभीर बीमारी की स्थिति में परिवार को अकेले आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। रिमोन के उपचार के लिए तत्काल 12 लाख रुपए की स्वीकृति इसी संवेदनशील सोच का उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से जहां एक किसान परिवार को बड़ी आर्थिक चिंता से राहत मिली है, वहीं 10 वर्षीय रिमोन के स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौटने की उम्मीद भी मजबूत हुई है।

गाने का है शौक पर बीमारी ने रोका : 10 साल की उम्र में भी 3 साल की उम्र जितनी मासूमियत को समेटे रिमोन टंडन की इच्छा सिंगर बनने की है। नवरात्रि के समय मातारानी का भक्त रिमोन आसपास के दुर्गा पंडालों और मंदिरों में जसगीत गाने भी जाता है। बीमारी की वजह से उसकी स्कूलिंग भी नहीं हो सकी है, लेकिन घर पर ही वह पढ़ाई करता है।

दिल्ली में रोहित ने की मदद : रिमोन के पिता अजय बताते हैं कि दिल्ली एम्स में जांच और उपचार के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहां रहने और खाने की भी समस्या हो रही थी। तब छत्तीसगढ़ सदन जाने पर वहां राजिम के विधायक रोहित साहू मिले। उन्होंने न सिर्फ रहने खाने के लिए मदद की। तत्काल डॉक्टरों से संपर्क कर जांच भी कराया। वहीं से मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को रिमोन के रिपोर्ट्स भेजकर आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कराने में भी मदद की।

दिल्ली एम्स ने ....

आएगा, तभी रिमोन का उपचार हो सकेगा। विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत स्वीकृति मिलने के बाद अब रिमोन का उपचार शुरु हो सकेगा।

दिल्ली में नहीं ....

आड़ी-तिरछी बसों ने शनिवार को विरोध-प्रदर्शन के प्रमुख केंद्र 'जंतर-मंतर' को एक किले में तब्दील कर दिया। इस वजह से प्रदर्शनकारी पूरी दिल्ली में बिखर गए और हिरासत में लिए जाने से पहले छोटे-छोटे समूहों में नारेबाजी करते, रास्ते बदलते तथा दोबारा एकत्र होने का प्रयास करते दिखे। कम से कम 7,000 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका था।

नयी दिल्ली में बीते सप्ताह हुए विरोध-प्रदर्शनों की कड़ी में यह प्रदर्शन भी शामिल है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी पिछले दिनों विरोध प्रदर्शन किया था। वहीं, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का एक नया विरोध-प्रदर्शन सोमवार को प्रस्तावित है।

425 रुपए क्विंटल में ....

लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पूर्व में गन्ने की खरीदी 329 रुपए प्रति क्विंटल पर होती थी। इसे अब 96 रुपए बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय से भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनीष शर्मा, महामंत्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

किसानों की उपज का उचित मूल्य दिलाने का प्रयास : मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने।

पेराई सत्र 2025- 26 में खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर : भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया। पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा।



पेज एक के शेष

स्टेशन चमकाने रेलवे ने खर्च किए ...

कई बार बना, लेकिन हर बार दौरा रद्द या स्थगित हो गया। उपलब्ध जानकारी अनुसार, 2022 से अक्टूबर 2026 तक तीन मौकों पर उनके रायपुर आने का कार्यक्रम रद्द हुआ। इस बार भी तैयारियों के बीच दौरा निरस्त हो गया। यदि रेलमंत्री समारोह में शामिल होते तो बतौर रेलमंत्री रायपुर रेलवे स्टेशन का उनका पहला दौरा होता।

प्रोत्साहन राशि के नाम...

के ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को पूरा नहीं करने, समस्त आनलाइन कार्य संतोषजनक होने तथा अधिकतर कर्मचारी ड्यूटी से गायब व अनुपस्थित रहने की बातें सामने आई हैं। इसके बाद भी उन्हें हर महीने प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है, जिसका आंकड़ा हर महीने करोड़ों में है। विभाग ने इसे घोटाले की श्रेणी में रखते हुए दिए जाने वाले इंटेसिव भुगतान की अनियमितता संबंध नियमानुसार जांच, लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए जांच प्रतिवेदन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य कार्यालय में अनिवार्य रूप से भेजने का आदेश सभी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिया है।

फांसी की सजा पाने ...

रायपुर केन्द्रीय जेल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में 24 घंटे की निगरानी में रखा जाएगा। ज्ञात हो कि फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने 8 अक्टूबर को प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी महू फैज और बच्ची आलिया शेख की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपियों कुलदीप साहू, चन्द्रकांत उर्फ सीके और फूल सिंह उर्फ रिंकू को फांसी की सजा सुनाई है। सजा मिलने के बाद से ही तीनों कैदियों को केन्द्रीय जेल रायपुर शिफ्ट करने की बात चल रही थी। फांसी की सजा मिलने वाले कैदियों को जिस निगरानी और सुरक्षा के बीच रखे जाने का प्रावधान है वो सरगुजा में संभव नहीं था। सरगुजा में केंद्रीय जेल प्रबंधन कैदियों को रायपुर शिफ्ट करने की तैयारी शुक्रवार को ही शुरू कर दी थी। इस बीच सूरजपुर जेल में बंद फूल सिंह उर्फ रिंकू सिंह और बैकुंठपुर जेल में बंद चंद्रकांत उर्फ सीके चौधरी को 9 अक्टूबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रायपुर केन्द्रीय जेल भेज दिया गया था जबकि कुलदीप साहू की प्रक्रिया चल रही थी। इस बीच सुबह 4 बजे कुलदीप को भी रायपुर शिफ्ट करने का आदेश आया। आदेश आने के बाद भोर में 5 बजे सशस्त्र बल की टीम केंद्रीय जेल पहुंची और प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के बाद कुलदीप साहू को कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 6 बजे रायपुर केंद्रीय जेल भेजा गया। दोपहर 12 बजे तक फांसी के कैदी कुलदीप साहू को शिफ्ट कर दिया गया।

अलग बैरक में रहेगा कुलदीप : फांसी की सजा पाने वाले कैदियों के लिए जेल मैनुअल में अलग प्रावधान होते हैं। आरोपियों को अलग-अलग छोटे बैरकों में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा जाता है। सामान्य तौर पर ये बैरक 5 फुट बाई 6 फुट के होते हैं। आरोपियों की कड़ी निगरानी की जाती है, ताकि वे स्वयं का नुकसान न करे लें। आरोपियों को सामान्य मुलाकात की अनुमति नहीं होती है। वे जेल अधीक्षक कक्ष में आगंतुकों से मुलाकात कर सकते हैं। ऐसे आरोपियों के लिए अलग से भोजन बनाया जाता है, जिसे चार स्तर पर जांच के बाद आरोपियों को खाने के लिए दिया जाता है। मृत्युदंड की सजा पाने वाले कैदी कुलदीप साहू, सीके चौधरी और फूल सिंह उर्फ रिंकू को भी इन्हीं बैरकों में अलग अलग रखा जाएगा और उनपर 24 घंटे कड़ी निगरानी होगी। **फांसी की सजा के बाद ये हैं कानूनी प्रावधान** : सूरजपुर फास्ट ट्रेक कोर्ट से फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद इसकी पुष्टि हाईकोर्ट बिलासपुर द्वारा की जाएगी। इसके लिए केस डायरी हाईकोर्ट बिलासपुर भेज दी गई है। हाईकोर्ट द्वारा फांसी की सजा पर मुहर लगाए जाने के बाद दोषी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल पीटिशन लीव पर सुनवाई होगी।

कर दिया गया है शिफ्ट : फांसी की सजा पाने के बाद कैदी कुलदीप साहू को रायपुर केंद्रीय जेल शिफ्ट कर दिया गया है क्योंकि फांसी घर रायपुर जेल में ही मौजूद है। चंद्रकांत चौधरी और फूल सिंह उर्फ रिंकू को शुक्रवार को ही रायपुर शिफ्ट कर दिया गया था। कुलदीप को सशस्त्र बल के साथ भेजा गया और दोपहर में उसे रायपुर जेल दाखिल कराया गया। -**अक्षय सिंह राजपूत**, अधीक्षक केन्द्रीय जेल

गड़बड़ी और लापरवाही ...

गए थे। लेकिन तीन पटवारियों ने काम ही शुरू नहीं किया, कारण पूछने पर संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया गया। इनमें बसना तहसील के पटवारी उदय प्रकाश राजपूत, बागबाहरा तहसील की पटवारी कंचन साहू व पटवारी लुकेश यादव शामिल हैं। जबकि सरायपाली तहसील के पटवारी जितेंद्र सिंह बाघ को ग्राम पड़कीपाली में शासकीय जमीन को अपनी मनमर्जी से दूसरे कृषक के नाम पर पटवारी अभिलेख में दर्ज करने के आरोप में निलंबित किया गया है। वहीं महासमुंद के पटवारी हरीश चंद्राकर को ग्राम बड़गांव में खसरा नंबर की वास्तविक स्थिति को छुपाकर दोबारा नामांतरण करने और डिजिटल फसल सर्वेक्षण का निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन नहीं करने के कारण निलंबित किया गया है।

12 से 15 अक्टूबर तक साइप्रस और ग्रीस के दौरे पर रहेंगे रक्षा सचिव

हरिभूमि न्यूज .नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर जारी सैन्य संघर्षों के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह 12 से 15 अक्टूबर तक साइप्रस और ग्रीस की यात्रा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों में होने वाली उनकी चर्चाओं में समुद्री सुरक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग जैसे मुद्दे मुख्य रूप से शामिल किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 12 से 13 अक्टूबर तक रक्षा सचिव साइप्रस में रहेंगे। जहां वह अपने समकक्ष के अलावा साइप्रस के राजनीतिक नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। यात्रा के दूसरे पड़ाव के रूप में सिंह ग्रीस पहुंचेंगे। वहां उनकी ग्रीस के वरिष्ठ सैन्य और रक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के साथ बातचीत होगी। यूरोप के इन दोनों देशों की रक्षा सचिव की यह यात्रा एक प्रकार से भारत की यूरोपीय संघ के देशों के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर प्रदर्शित की जा रही प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

IISER भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान बरहमपुर
INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE EDUCATION AND RESEARCH BERHAMPUR
Established by the Ministry of Education, Govt. of India

Advertisement for PhD Admission- Sem-II AY 2026-27

Indian Institute of Science Education and Research (IISER) Berhampur, established in 2016 by the Ministry of Education, GoI under the provisions of NITSER Act, 2007.
The Institute aims to identify suitable candidates with a keen interest in research. Online applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for admission to **Ph.D. programmes** for the semester commencing in January 2027.
Disciplines: Biological Sciences, Chemical Sciences, Computer Science, Earth and Environmental Sciences, Mathematical Sciences, and Physical Sciences.
For details, please visit: https://iiserbpr.ac.in/admissions-phd

Dean, Academic Affairs
Last Date for Receipt of Online Applications: 24 October 2026

केटरिंग सेंवाए की सूचना
3 सीजी एयर स्क्वाइन एनसीसी, रायपुर

दिनांक 27 अक्टूबर 2026 से 05 नवम्बर 2026 तक वार्षिक प्रशिक्षण शिविर जवाहर नवोदय विद्यालय माना मे आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिये केटरिंग सेंवाए हेतु निविदा दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को कार्यालय मे दिया जायेगा । अतः समय प्रातः 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक 03 सीजी एयर स्क्वाड्न एनसीसी सुन्दर नगर रायपुर छ.ग. में इच्छुक व्यक्ति/ संस्थान संपर्क करें ।

दूरभाषः- 0771-3525953
स्थानः- रायपुर
दिनांक :- 9 अक्टूबर 2026

(एम जर्रार)
स्क्वाड्न लीडर
कैम्प कमांडेन्ट

G-262703885/1

कार्यालय, कार्यपालक अभियंता, एन० आर० ई० पी०, सिमडेगा

अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना (2nd Call)

ई–निविदा संख्या –02-R/2026-27/NREP/SIMDEGA दिनांक – 09.10.2026

1. कार्य का विवरण :–

क्र०	प्रखण्ड का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि अंक में (लाख में)	प्राक्कलित राशि अक्षर में	परिमाण विपत्र की राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	कार्य अवधि
1	सिमडेगा	स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बाजारटांड, सिमडेगा में 50 शैयावाले बालक खेल छात्रावास निर्माण।	2,83.03	दो करोड़ तिरासी लाख तीन हजार।	10,000.00	5,66,100.00	14 Months

2	Date of publication of Bid on Website	:-	15.10.2026 at 10:00 AM
3	Mode of Submission of Tender	:-	Online Through www.jharkhandtenders.gov.in
4	Bid submission start date	:-	15.10.2026, 10:00 AM onwards
5	Last date and Time of Online submission of Bid	:-	29.10.2026 by 03:00 PM
6	Bid Opening Date and Time	:-	31.10.2026 at 11:00 AM
7	Tender inviting Authority	:-	Executive Engineer, N.R.E.P., Simdega

विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.jharkhandternders.gov.in एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

कार्यापालक अभियंता
एन० आर० ई० पी०, सिमडेगा

PR 391516 Simdega (26-27)_D

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

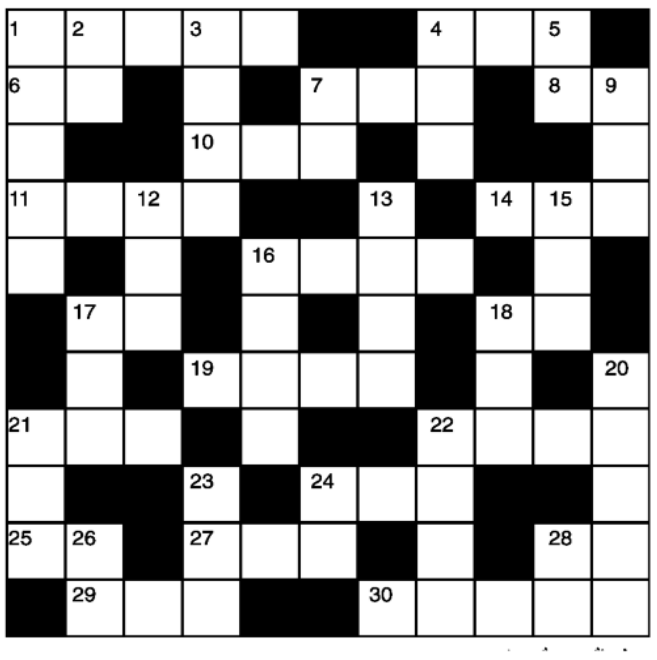
धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6374



बाएँ से दाए
1. असह्य, नागवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6373 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
व	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

सूडोकु नवताल - 6384

मध्यम

		5

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।



सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि

यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।

महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें

क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा

निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक सावधि जमा, आवर्ती जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प

लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें

मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा। कार के लिए रखा पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

- सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं
- वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
- पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष
- लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

कई लोगों की कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अच्छे महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आया बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बची रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।



इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचतः तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्चः बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अच्छे महीने में बचतः इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निर्धारित करनाः लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करनाः आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बदलती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमीशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट

सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीनों में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाया जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें से किराया, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।

वेतन आते ही पहले बचत करें

नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को भुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाएं। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के भरोसे रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं

यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर भुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाया जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर भुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें

बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समय निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बंद न हो।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

बिजनेस साइट

श्री शिवम का 'वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन 2026-27'

शादी के फैशन की मिलेगी नई रेंज

दूल्हा-दुल्हन से लेकर पूरे परिवार के लिए मिलेंगे वेडिंग और फेस्टिव कलेक्शन के विकल्प



रायपुर। शादी के आगामी सीजन को देखते हुए मध्य भारत के प्रतिष्ठित फैमिली फैशन स्टोर श्री शिवम की ओर से 'वेडिंग प्रीव्यू कलेक्शन 2026-27' का आयोजन किया जा रहा है। 10 से 19 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन में ग्राहकों को शादी और पारिवारिक समारोहों के लिए आकर्षक परिधानों की रेंज मिलेगी। यह आयोजन श्री शिवम के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, नागपुर, भोपाल, जबलपुर और छिंदवाड़ा सहित सभी स्टोर्स में होगा।

दूल्हा-दुल्हन के लिए खास कलेक्शन

वेडिंग प्रीव्यू में पारंपरिक परिधानों के साथ आधुनिक फैशन का संगम देखने को मिलेगा। दुल्हनों के लिए ब्राइडल लहंगे, डिजाइनर साड़ियां, सूट और एथनिक वियर उपलब्ध होंगे। वहीं, दूल्हों के लिए रॉयल शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न ड्रेस और कुर्ता सेट सहित विभिन्न विकल्प पेश किए जाएंगे। महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों के लिए भी वेडिंग एवं फेस्टिव कलेक्शन रखा गया है।

हर रस्म के लिए अलग अंदाज

मेहंदी, हल्दी, संगीत, विवाह और रिसेप्शन जैसे अवसरों के लिए अलग-अलग डिजाइन और स्टाइल के परिधान उपलब्ध रहेंगे। आयोजन का उद्देश्य ग्राहकों को एक ही स्थान पर पूरे परिवार के लिए शादी की खरीदारी के विकल्प उपलब्ध कराना है। इस दौरान ग्राहक आगामी वेडिंग सीजन के फैशन ट्रेंड्स के अनुरूप परिधान चुन सकेंगे।

देवभोग की डिस्ट्रीब्यूटर मीट, उत्कृष्ट कार्य करने वाले वितरक सम्मानित



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (देवभोग) के उरला प्लांट की ओर से डिस्ट्रीब्यूटर मीट 2026-27 का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के 7 से 8 जिलों के प्रमुख वितरकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महासंघ के प्रबंध निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक में प्रबंध निदेशक ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से महासंघ की उपलब्धियों, नई योजनाओं, दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता और बिक्री बढ़ाने की रणनीतियों की जानकारी दी। उन्होंने वितरकों को भविष्य की कार्ययोजना से भी अवगत कराया। इस दौरान वितरकों ने कारोबार के दौरान आने वाली समस्याओं, व्यावहारिक कठिनाइयों और सुझावों को साझा किया। प्रबंध निदेशक ने समस्याओं के त्वरित और सकारात्मक समाधान का आश्वासन दिया। वहीं, उत्कृष्ट कार्य और निरंतर योगदान के लिए सभी वितरकों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

इंजीनियर/इलेक्ट्रीशियन

अर्जेंट आवश्यकता है - सोलर प्लांट O&M स्टाफ* सोलर प्लांट इंजीनियर – 3–4 वर्ष का सोलर O&M अनुभव। डिप्लोमा / इंजीनियरिंग योग्य। सोलर प्लांट इलेक्ट्रीशियन – 3–4 वर्ष का सोलर O&M अनुभव। ITI Electrical योग्य। स्थानः बिरगांव, रायपुर, छत्तीसगढ़ प्लांट क्षमताः 40 MW स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता। इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा भेजें। संपर्कः- Tarun Dewangan : 8085379697 Bhawani Moulders Private Limited, Raipur (आरे-228)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- Marketing Representative श्री श्रृंगी हर्बल को बिक्री एवं प्रचार कार्य हेतु अनुभवी Marketing Representative की आवश्यकता है। अनुभव अनिवार्य। आकर्षक वेतन एवं इंसेंटिव। संपर्कः शॉप न 32, द्वारिका बिजनेस सेंटर, डूमरतराई, रायपुर मोबाइलः 9516268000, 9300017800.(आरे-090)

पैकिंग/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- अमलीडीह, रायपुर में घर एवं ऑफिस कार्य हेतु आनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता हैं। वेतन योग्यतानुसार। आवश्यक होने पर रहने की सुविधा । संपर्क - 94255 07654, 62628 00016.(आरे-316)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रिटेल फुटवियर की दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है। संपर्क करें- लखानी शू एम्पोरियम, रेल्वे स्टेशन के सामने, रायपुर ,मोबाइल 8965950000.(आरे-905)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है पेट्रोल पंप में कार्य करने के लिये इच्छुक उम्मीद्वार अपने बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें:- डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक रायपुर मो 8109135400, 9179380728. (आरे-877)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की तत्काल आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5 वर्ष, शिक्षाः न्यूनतम 10वीं पास, वेतनः 20,000 प्रति माह तक सुविधाएंः रहने की व्यवस्था हैं स्थानः सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क करें:- 9109972720, 9109222000.(आरे-089)

आवश्यकता

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम चालाने के लिए अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की आवश्यकता है संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 9827114645, 9131139179.(आरे-952)

प्रबंधक/प्रभारी/गार्ड

आवश्यकता है- जिलाप्रबंधक, जिलाप्रभारी, क्षेत्रसहायक, कम्प्युटरकर्मी, ड्राइवर, चपरासी, गार्ड। वेतन (15000/- से 45000/-) पदसंख्या- 56 इच्छुक (युवा-युवतियां- अन्य) आवेदन, बायोडाटा, मार्कशीट, फोटो दो लिफाफा 10/- टिकट सहित भेजें/ संपर्क करें, अंतिम 31.10.2026। पता- छत्तीसगढ़ ब्यूरो कार्यालय- मोवा (छत्तीसगढ़ हॉस्पिटल के पीछे) रायपुर। मो. 98279-11081. (आरे-229)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य, वेतन 15,000 प्रतिमाह। समय : सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक , संपर्क करें: 9826708233 ,पता: 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.) (आरे-SPD/0087)

कुक

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने हेतु महिला चाहिए। 24 घंटे रहकर कार्य करना होगा। आयु 35–60 वर्ष। स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई। वेतन 12,000 से 15000 प्रतिमाह। संपर्कः 9826708233. (आरे-SPD/0086)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में (1) दुकान- कार्य-3 लड़को/ लड़कियों (2) सामान वितरण/ डिलीवरी- 4 लड़कों/ लड़कियों (3) कंप्यूटर वर्क के लिए- 2 लड़के /लड़कियों की आवश्यकता है। संपर्क- 09826192427, करमचंद मेडिकोज, 17-A, पुराना मेडिकल कॉम्प्लेक्स, मेकाहारा के पास रायपुर। (आरे-227)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता हैं वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोलबाजार, रायपुर मोबाइल नंबरः- 9329103178.(आरे-091)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है - रिसाली धनोरा मात्र छाया फेश-2 में 30 x 50= 1500 फिट आवासिय प्लॉट एवंम मैत्री कुंज पानी टंकी वाले मार्केट में कमर्शियल प्लॉट 25 x60=1500 फिट उपलब्ध है। बेचना है मो.- 91319-80919.(आरे-343)

बेचना है- बिलासपुर सकरी मेन रोड से 50 मीटर पूर्ण विकसित कॉलोनी में 1409 वर्गफुट आवासीय प्लॉट बेचना है मात्र 26 लाख में कैश में लेने वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7898855268.(आरे-42041)

क्लासीफाईड

प्लॉट बेचना है - पायोनियर स्कूल के पास VIP नगर पाटन रोड उतई से 50 मीटर अंदर 2600 स्क्वायर फीट प्लाट बेचना है संपर्क करें 94241-21824, 99079-15088. (आरे - 1385)

मकान

बेचना है- रायपुरा सत्यम विहार मे 950 वर्गफुट पर 2 BHK, P.O.P, सेपरेट बोर, कार पोर्च नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त मकान 5 लाख दें कर अपना बनाएं फाइनेंस सुविधा कम कीमत पर शीघ्र बेचना है 9300505421.(आरे-092)

भूमि/प्लैट/प्लाट

खाटूश्याम प्रॉपर्टीज- इस त्यौहार करे आपके सपने साकार कृषि भूमि, फ्लैट, घर, प्लॉट सबसे बढ़िया दाम के उपलब्धदुर्ग भिलाई का सबसे भरोसेमंद प्रॉपर्टी डीलर- 73899-02902. (आरे - SPD/0091)

फर्नीचर

फर्नीचर बेचना है - 120 स्टूडेंट कि क्षमता वाली रीडिंग लाइब्रेरी का फर्नीचर एवं कुर्सी ब्रांड न्यू कंडिशन में अतिशीघ्र बेचना है। संपर्कः - 9131679611, 8109135400. (आरे-878)



For Rent किराया

किराये से देना है - आवास, गेस्ट हाउस हेतु किराये पर उपलब्ध है अविनाश वुड्स अभनपुर जगदलपुर (छत्तीसगढ़) में सर्वसुविधायुक्त फ्लैट- 3BHK, 3 Toilet, Fully Furnished उपयोग- गेस्ट हाउस/ PG हेतु उपयुक्त सम्पर्क करें- 9981669720.(आरे-42074)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - वसुधा फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन पर्सनल, लेबरकार्ड , डेरीफार्म, होम लोन , आधारकार्ड पर 40 हजार से 50 लाख तक (2 %ब्याज), (30%छूट) समस्त लोन कराये - 9770833099. (आरे-4346)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी छपवे उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वाद-दावे पर अमल करने से पहले अपने स्तर से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेने के व्यक्तिगत से विवेक लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रकाशक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन शर्तों के अपने दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152





चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना रयबाकिना, आर्यना सबालेंका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं।



मेदवेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत 1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेदवेदेव ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेदवेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेदवेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुबई, ब्रिस्बेन और हांगजो टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी या डालिबोर स्वर्सिना से होगा। मेदवेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवीं बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

तीसरा टी-20 : बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।



मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।



द सेंध लेक सिटी की इलीसियम समेत प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स अकादमियों से साझेदारी

रायपुर। नवा रायपुर में प्रीमियम लाइफस्टाइल और खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में द सेंध लेक सिटी ने इलीसियम सहित प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स एवं फिटनेस अकादमियों के साथ साझेदारी की है। रायपुर के अमूनिया में आयोजित साइनिंग समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी और भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद मौजूद रहे। नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-4 और 10 में 124 एकड़ में विकसित हो रही इस इंटीग्रेटेड टाउनशिप में लग्जरी विला, प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी, खेल, फिटनेस और वेलनेस सुविधाएं एक साथ उपलब्ध कराने की योजना है। परियोजना में जेडब्ल्यू मैरियट होटल, इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर और प्रीमियम स्पोर्ट्स एवं लाइफस्टाइल क्लब भी प्रस्तावित हैं।

124 एकड़ में विकसित होगी इंटीग्रेटेड टाउनशिप



आधुनिक जीवनशैली पर जोर

परियोजना के प्रमोटर आयुष अग्रवाल ने श्रवण अग्रवाल और अनूप बंसल के साथ इसकी परिकल्पना साझा की। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय डिजाइन दृष्टिकोण के अनुरूप परियोजना में विला, वाटरफ्रंट, खुले स्थानों और क्लब हाउस को विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रकृति के करीब आधुनिक आवास, खेल और मनोरंजन की सुविधाओं वाला वातावरण तैयार करना है।

खेल और फिटनेस को मिलेगा बढ़ावा

परियोजना के तहत बैडमिंटन गुरुकुल बाय पुलेला गोपीचंद, माइकल फेल्प्स स्विमिंग अकादमी, सौरव घोषाल स्क्वैश अकादमी और फिटनेस प्लेटफॉर्म फिटर के साथ सहयोग की घोषणा की गई है। इन साझेदारियों के जरिए बच्चों और युवाओं को विशेषज्ञ मार्गदर्शन में प्रशिक्षण देने के साथ परिवारों के बीच फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य है।

पंजाब नैशनल बैंक
सीओ-एसएएम, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 27/10/2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति	आरक्षित मूल्य (लाख में) ईएमडी (लाख में) बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपत्ति के लिये
1	**उधारकर्ता: श्री विजय बहादुर भारती** पिता स्वर्गीय चकोडी भारती, पता 1: क्वार्टर नंबर - 3बी, स्ट्रीट 12, जोन 3, खुर्सीपार, भिलाई, छ.ग., 490011, पता 2: नागपुरा, तहसील / जिला: दुर्ग, छ.ग., 491001, **जमानतदार: श्री ओंकार सिंह** पिता चंदूलाल, पता: क्वार्टर नंबर 1, स्ट्रीट नं. 2, सेक्टर-5, भिलाई, जिला: दुर्ग, छ.ग., 490001, **शाखा - नंदिनी रोड, भिलाई (215800), संपर्क - श्रीमती सोनम कुमारी, 9431358181**	खसरा नंबर 2738/5, मौज़ा: नागपुरा, प.ह नंबर 2, आरएनएम दुर्ग-2, तहसील/ज़िला: दुर्ग, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल- 1500 वर्गफुट पर स्थित अचल संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्री विजय बहादुर भारती पिता स्वर्गीय चकोडी भारती। सीमाएँ: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- बसंत की भूमि, पूर्व - 20 फ़ीट चौड़ी सड़क, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि, भौगोलिक निर्देशांक- 21.238954, 81.233518	1) **01.01.2026** 2) रू **5,79,314.00** + दिनांक 31-12-2025 से ब्याज प्रभावी 3) **11.05.26** को सांकेतिक कब्जा	रू **12.00** लाख रू **1.20** लाख
2	**उधारकर्ता: श्री आलोक कुमार बिश्वास** पिता श्री अश्विनी कुमार बिश्वास एवं **श्रीमती सपना बिश्वास** पति श्री आलोक कुमार बिश्वास, प्लॉट नंबर जे-189, जनता हाउसिंग बोर्ड आवासीय कॉलोनी, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)-491441, **शाखा - राजनांदगांव (070410), संपर्क: श्री साकेत सौरभ, 7903681961**	प्लॉट नंबर जे-189, जनता हाउसिंग बोर्ड आवासीय कॉलोनी, राजनांदगांव में क्षेत्रफल-408.65 वर्ग फ़ीट पर स्थित भूमि एवं भवन का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्री आलोक कुमार बिश्वास पिता श्री अश्वनी कुमार बिश्वास एवं श्रीमती सपना बिश्वास पति जी श्री आलोक कुमार बिश्वास। सीमाएँ: पूर्व - सड़क, पश्चिम - अन्य का प्लॉट, उत्तर - कॉलोनी की सड़क, दक्षिण - प्लॉट नंबर 188. भौगोलिक निर्देशांक- 21.091483, 81.046842.	1) **14.09.2024** 2) रू **1,16,574.31** + दिनांक 31.08.2024 से ब्याज प्रभावी 3) **06.04.26** को सांकेतिक कब्जा	रू **11.51** लाख रू **1.15** लाख
3	**उधारकर्ता: 1. श्रीमती विमला सिंह** पति श्री दुर्योधन सिंह बघेल, **2. श्री दुर्योधन सिंह बघेल** पिता श्री रूपधर भगेल, पता: भारत माता चौक के पास, विकास नगर, गुढ़ियारी, मोबाइल टावर के पास, रायपुर, छ.ग. 492001, **शाखा कार्यालय: राजेंद्रनगर (917200), संपर्क: श्री संदीप शंकर दत्ता, 9739767106**	**आवासीय मकान-** खसरा नंबर 493/2, गोगाँव, प.ह नंबर 107, तहसील/जिला: रायपुर, छत्तीसगढ़, में क्षेत्रफल- 1275 वर्ग फुट पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति, मालिकाना हक- श्री दुर्योधन सिंह बघेल पिता श्री रूपधर बघेल।	1) **08.10.2024** 2) रू **17,05,249.00** + दिनांक 08.10.2024 से ब्याज प्रभावी 3) **12.09.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **34.68** लाख रू **3.46** लाख
4	**उधारकर्ता: श्री चेट्टी अरुण** पिता श्री चट्टी अवलैया, **सह-उधारकर्ता: श्री चट्टी अवलैया** पिता श्री पपैय्या,दोनों निवासी: फ्लैट नंबर 224, दूसरी मंजिल, जूही अपार्टमेंट, ट्विन सिटी, तालपुरी, रुआबांधा, भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)**शाखा- सेक्टर-6, भिलाई (096920), संपर्क: श्री सतीश चंद्र, 9560045725**	**आवासीय फ्लैट -** फ्लैट नंबर 224, दूसरी मंजिल, जूही अपार्टमेंट, ट्विन सिटी, तालपुरी, रूआबांधा, **भिलाई नगर,** जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, पिन 490006 में **क्षेत्रफल- 658.62 वर्गफीट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्री चट्टी अवलैया पिता श्री पपैय्या, सीमाएँ- उत्तर: फ्लैट नंबर 223, दक्षिण: खुला क्षेत्र, पूर्व: खुला क्षेत्र, पश्चिम: फ्लैट नंबर 221; भौगोलिक निर्देशांक: 21.162330, 81.333276	1) **04.07.2024** 2) रू **19,23,078.00** + दिनांक 15.06.2024 से ब्याज प्रभावी 3) **11.09.24** को सांकेतिक कब्जा	रू **17.78** लाख रू **1.77** लाख
5	**उधारकर्ता- श्रीमती कृतिका शर्मा** पति श्री तरण शर्मा, मेन मार्केट, न्यू खुर्सीपार, वार्ड नंबर 36, भिलाई, जिला- दुर्ग, छ.ग. 490011, **जमानतदार- श्री अजय कुमार गोयल** पिता श्री सतीश गोयल, पता- साकेत कॉलोनी, कातुलबोड़, वार्ड क्रमांक 59, एसएएफ लाइन्स, भिलाई, जिला- दुर्ग, छ.ग., 490022. **शाखा- सिविक सेंटर, भिलाई (007600), संपर्क करें: श्री अजीत साहू, 94075-47533**	**आवासीय प्लाट -** खसरा नंबर- 302/3, प. ह नं 29/42, **ग्राम- उमरपोटी,** पेट्रोल पंप से रेलवे लाइन रोड, आरएनएम- अंडा, **भिलाई,** जिला- दुर्ग, छ.ग. में **क्षेत्रफल: 1500 वर्गफुट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक: श्रीमती कृतिका शर्मा पति श्री तरण शर्मा, सीमाएँ - उत्तर: गुंजा बाई द्वारा बेची गई भूमि, दक्षिण: सुभाष चंद्र नायक की भूमि, पूर्व: हाफिज-उल्ला खान की भूमि, पश्चिम: सड़क; भौगोलिक निर्देशांक: 21.139727,81.347424	1) **05-01-2024** 2) रू **19,52,601.52** + दिनांक 05-01-2024 से ब्याज प्रभावी 3) **18-05-24** को सांकेतिक कब्जा	रू **20.25** लाख रू **2.02** लाख
6	**उधारकर्ता - श्री राजेंद्र सिंह** पिता श्री निक्का सिंह, **सह-उधारकर्ता- श्रीमती कुलदीप कौर** पति श्री राजेंद्र सिंह, पता- (1) डीएलएक्स मकान नं. 180ए, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग) (2) मकान नं. ए34, जी.के. टाउनशिप, सेक्टर नं 2, सिलतरा, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग) (3) मकान नं 1, घोर तालाब, छुरिया ब्लॉक, सड़क चिरचारी, राजनांदगांव, (छ.ग) 491557 (4) अटल आवास तिरैयान, मकान नं 287, वार्ड नंबर 11, कुरा जी.पी., धरसींवा, तिल्दा चौक के पास, रायपुर (छ.ग) एवं **जमानतदार - श्री मनिंदर सिंह** पिता श्री राजेंद्र सिंह,पता- (1) मकान नं 1, घोर तालाब, छुरिया ब्लॉक, सड़क चिरचारी, राजनांदगांव (छ.ग) 491557 (2) मिहान सेर गेट नंबर 4, सर्वे, 72वी- दहेगांव, पोस्ट कुमापरी हिंगनगर, नागपुर, महाराष्ट्र (3) 24, इंप्रियन विस्ट्या, दूसरी मंजिल, 9वां अपार्टमेंट, कोठेवाड़ा, गुमगांव गांव, नागपुर, महाराष्ट्र, 441108, **शाखा- अनुपम नगर (296600), संपर्क करें: श्री पराग गुप्ता, 8822769909**	**आवासीय भूमि एवं मकान -** मकान नं ए 34, जी.के. टाउनशिप, सेक्टर नं 2, खसरा नं 555/3 का भाग, प.ह नं 90 (नया 20), रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास, मौजा- **सिलतरा,** आरएनएम धरसींवा-1, तहसील एवं जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़ में **क्षेत्रफल- 1000 वर्गफीट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती कुलदीप कौर पति श्री राजेंद्र सिंह। सीमाएं- उत्तर: मकान नं ए35, दक्षिण: मकान नं ए33, पूर्व: मकान नं बी6, मकान नं 14, पश्चिम: सड़क; भौगोलिक निर्देशांक: 21.384463, 81.671815	1) **15-04-2019** 2) रू **14,04,814.00** + दिनांक 31/03/2019 से ब्याज प्रभावी 3) **16-07-19** को सांकेतिक कब्जा	रू **17.93** लाख रू **1.80** लाख
7	**उधारकर्ताओं: 1) श्रीमती पूजा पांडे** पति श्री विक्रांत पांडे, **2) श्री विक्रांत पांडे** पिता श्री राकेश पांडे, दोनों का पता-1) मकान नंबर 2, न्यू गवर्नमेंट फ्लैट, पेंशन बाड़ा, रायपुर, छ.ग, 492001, पता-2) फ्लैट नंबर 819, ब्लॉक-सी, रायपुरा, रायपुर, छ.ग.,492001 . **शाखा कार्यालय : राजेंद्र नगर (917200), संपर्क: श्री संदीप शंकर दत्ता, 9739767106**	**फ्लैट -** फ्लैट नंबर 819, ब्लॉक सी,8वीं मंजिल, एलआईजी-2 बीएचके, इंद्रप्रस्थ फेज II योजना, रायपुरा, प.ह नंबर 104, खसरा नंबर 291, तहसील/जिला: रायपुर में क्षेत्रफल - 513.79 वर्ग फुट पर स्थित अचल संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश , मालिकाना हक - श्रीमती पूजा पांडे पति श्री विक्रांत पांडे।	1) **21.04.2025** 2) रू **7,54,783.90** + दिनांक 31.03.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **02.09.25** को सांकेतिक कब्जा	रू **11.76** लाख रू **1.17** लाख
8	**उधारकर्ता: श्री अंकित घोष** पिता श्री राणा घोष एवं **जमानतदार : श्री राणा घोष** पिता स्वर्गीय श्री सुनील कुमार घोष, दोनों निवासी: 181, रहमान गली, भगत सिंह वार्ड नंबर 6, जगदलपुर, बस्तर, छ.ग, 494001, **शाखा-जगदलपुर (222500), संपर्क: श्री विनुप दसारी, 8019881296**	**नजूल भूमि-** खसरा नंबर 36/3 (पुराना), 53 (नया), शीट नंबर 121 (पुराना), 95 ए (नया), पखांगुड़ापारा, जगदलपुर, जिला-बस्तर, छत्तीसगढ़, पिन 494001 में क्षेत्रफल: 2759 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री राणा घोष पिता स्वर्गीय श्री सुनील कुमार घोष। सीमाएँ- उत्तर: सड़क, दक्षिण: देवांगन परिवार की भूमि, एवं: सुकमती पति स्वर्गीय चंदन और भास्कर राव पांडा परिवार का मकान और भूमि, पश्चिम: मोहन धाकड़ की भूमि; भौगोलिक निर्देशांक: 19.09073, 82.03557	1) **04/05/2024** 2) रू **20,75,418.00** + दिनांक 01.03.2024 से ब्याज प्रभावी 3) **09.12.24** को सांकेतिक कब्जा	रू **49.66** लाख रू **4.97** लाख
9	**उधारकर्ता: मेसर्स आशु एजेंसी, प्रो. श्री आशु नाथ** पिता श्री बाबू नाथ। पता-1: गोदौन, कदम प्लाजा के सामने, बोरसी, दुर्ग (छ.ग.) 491001, पता-2: हाउस नंबर एमआईजी - II/57, ओल्ड बोरसी, दुर्ग (छ.ग.)- 491001, **शाखा- बोरसी (205910), संपर्क: अंजलीना कुजूर, 8210197217**	खसरा नंबर 369/92, **प्लॉट** नं. 04, प.ह नं.19/23, मौजा-बोरसी, तहसील/जिला: दुर्ग (छ.ग) में क्षेत्रफल- 1347 वर्ग फुट पर स्थित भूमि का भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्री आशु नाथ पिता श्री बाबू नाथ। सीमाएं :-उत्तर- लीला चौधरी का प्लॉट नंबर 05 , दक्षिण - हेमचंद साहू का प्लॉट नं 03, पूर्व - बीरबल यादव की भूमि, पश्चिम -25 फीट रोड।	1) **13/01/2026** 2) रू **30,58,845.52** + दिनांक 06.01.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **05.05.26** को सांकेतिक कब्जा	रू **12.73** लाख रू **1.27** लाख
10	**उधारकर्ता : श्री अजय शंकर दुबे** पिता श्री लवकुश दुबे, पता: कुनवा चौक के पास प्राचीन पारा, अस्पताल वार्ड नं. 29, दुर्ग, (छ.ग.)-491001. **शाखा - सुपेला चौक, भिलाई (143510) संपर्क : श्री छगन पिलाजी करवाडे, 7798077224**	**भूमि एवं भवन -** खसरा नंबर 626/26 (भाग), प.ह नंबर 16/24, आरएनएम- दुर्ग 01, वार्ड नंबर 28, मौज़ा – खास दुर्ग पचरीपारा, तहसील एवं ज़िला - दुर्ग (छत्तीसगढ़) में कुल क्षेत्रफल - 411 वर्ग फ़ीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री अजय शंकर दुबे पिता श्री लवकुश दुबे । सीमाएँ :- उत्तर - अजीत गुप्ता की भूमि, दक्षिण - अजीत गुप्ता की भूमि, पूर्व - संकरी गली , पश्चिम -नज़ूल की भूमि।	1) **10/03/2026** 2) रू **18,48,795.10** + दिनांक 23.02.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **26.05.26** को सांकेतिक कब्जा	रू **23.81** लाख रू **2.38** लाख
11	**उधारकर्ता : श्री अजय शंकर दुबे** पिता श्री लवकुश दुबे, पता: कुनवा चौक के पास प्राचीन पारा, अस्पताल वार्ड नं. 29, दुर्ग, (छ.ग.)-491001. **शाखा - सुपेला चौक, भिलाई (143510) संपर्क : श्री छगन पिलाजी करवाडे, 7798077224**	**भूमि एवं भवन -** खसरा नंबर 1086/24, प ह नंबर 24/19, आरएनएम-दुर्ग 01, वार्ड नंबर 28, मौज़ा - पचरीपारा ,यादव होटल के पास, तहसील एवं ज़िला - दुर्ग (छत्तीसगढ़) में कुल क्षेत्रफल - 785.55 वर्गफ़ीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री अजय शंकर दुबे पिता श्री लवकुश दुबे । सीमाएँ :- उत्तर - 10 फ़ीट चौड़ी सड़क, दक्षिण - मेवा सिंह का मकान, पूर्व - किसान बर्मन का मकान, पश्चिम- 8 फ़ीट चौड़ी सड़क।	1) **10/03/2026** 2) रू **18,48,795.10** + दिनांक 23.02.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **26.05.26** को सांकेतिक कब्जा	रू **32.46** लाख रू **3.24** लाख
12	**उधारकर्ता: श्री योगेन्द्र प्रसाद सिंह** पिता श्री केशव प्रसाद सिह, पता: एलआईजी-544, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सड्डू, मोवा, रायपुर, 492014, **जमानतदार: सुरेंद्र सिंह,** पता: पाली रोड, दीपिका, कोरबा, छ.ग., 495452, **शाखा कार्यालय: तेलीबांधा (611400), संपर्क: श्री प्रियांक चोपड़ा, 98279-75521**	**फ्लैट** नं. एलआईजी-479, दीनदयाल आवास योजना, बोरियाकला, रायपुर, खसरा नं. 1494/1, 1616, 1617 प.ह नं. 117, तहसील/जिला: रायपुर (छ.ग) में **क्षेत्रफल- 487 वर्गफुट** पर स्थित **अचल संपत्ति** का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्री योगेंद्र प्रसाद सिंह पिता श्री केशव प्रसाद सिंह। सीमाएं :-उत्तर - 10 मीटर चौड़ी सड़क, दक्षिण - मकान नं. 480, पूर्व - खुला क्षेत्र , पश्चिम - मकान नं. 477.	1) **10.09.2025** 2) रू **1,73,427.00** + दिनांक 29.06.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **08.04.26** को सांकेतिक कब्जा	रू **9.49** लाख रू **0.94** लाख
13	**उधारकर्ता- श्रीमती दीपाली अग्रवाल** पति श्री आशीष अग्रवाल, **सह-उधारकर्ता- श्री आशीष अग्रवाल** पिता श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल, **दोनों निवासी: 1)** फ्लैट नंबर 3ई, ब्लॉक नंबर 02, श्री कृष्णा नगर, पहाड़ी चौक, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग) **2)** मकान नंबर डी-293, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग) एवं **जमानतदार - श्री जगदीश अग्रवाल** पिता स्व. बी.डी. अग्रवाल, निवासी- एलआईजी-ई-87, शैलेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग), **शाखा-राजेंद्र नागर (917200), संपर्क: श्री संदीप शंकर दत्ता, 9739767106**	**आवासीय फ्लैट-** फ्लैट नंबर 3ई, तीसरी मंजिल, श्री कृष्णा फ्लैट, ब्लॉक नंबर 02, खसरा नंबर 596, 598, 601, 612, 613, 661, 665, 667, 668, 669, 677, 678, 679, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 697, 698, 699, एवं 701/1 (भाग), प.ह नं 107, **ग्राम-गुढ़ियारी,** ठक्कर बापा, वार्ड नं 09, रायपुर(छ.ग) में **क्षेत्रफल: 645 वर्ग फुट** पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती दीपाली अग्रवाल पति श्री आशीष अग्रवाल एवं श्री आशीष अग्रवाल पिता श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल।सीमाएँ- उत्तर: खुली जगह, दक्षिण: फ्लैट नंबर 3एफ, पूर्व: खुली जगह, पश्चिम: लॉबी फिर फ्लैट नंबर 3डी । भौगोलिक निर्देशांक: 21.262487, 81.624423	1) **22-04-2022** 2) रू **19,36,679.00** + दिनांक 22-04-2022 से ब्याज प्रभावी 3) **01-02-23** को सांकेतिक कब्जा	रू **18.63** लाख रू **1.86** लाख

संपत्ति निरीक्षण की तिथि व समय: 26.10.2026 दोप. 03:00 बजे तक एवं बयाना राशि जमा करने की तिथि व समय: 27.10.2026 शाम 05:00 बजे तक

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :श्री दीनानाथ बागे, सीओ-एसएएम रायपुर, 9304614766

नोट:- उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा

महत्वपूर्ण नोट:- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी. **2.** इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल **(https://baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक **बो**लीदाताओं/खरीदारों को **ई-नीलामी दिनांक 27/10/2026 व समय सुबह 11.00 बजे** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- **1.** संपत्तियों को **"जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है। **2.** यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। **3.** संपत्ति की बिक्री **ई-नीलामी दिनांक 27/10/2026 को सुबह 11.00 बजे वेबसाइट https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** एवं **www.pnbindia.in** देखें .इस नीलामी के अंग्रजी में जानकारी के लिए Central Chronicle दिनांक 11.10.2026 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा.

नोट:- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बानाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांक: 11.10.2026, स्थान: रायपुर — **प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार**

UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
Honours Your Trust

अंचल कार्यालय, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल : Email: zoraipur.rec@uco.bank.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस ।

आम लोगों को तथा विशेष रुप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक/सांकेतिक कब्जा** प्रतिभूत लेनदार यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर **28/10/2026** को **11.00 बजे** से दोपहर **5.00 बजे** तक बकाया राशि की वसूली के लिए बेचा जाएगा । आरक्षित मूल्य एवं अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं। **बयाना राशि** प्रस्तुत करने की अंतिम समय नीलामी **28/10/2026, 3.00 बजे** के पूर्व सुनिश्चित की गई है। **ई-नीलामी की तिथि व समय-** 28/10/2026 को सुबह **11.00 बजे** से उपरान्ह **5.00 बजे** तक प्रत्येक 10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ ।

संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 23/10/2026 एवं ई-नीलामी की तिथि: 28/10/2026

| क्र. सं. | शाखा का नाम/ संपर्क विवरण | ऋणी एवं गारंटर का नाम | बकाया राशि / कब्जा का प्रकार | मांग सूचना/ कब्जा सूचना तिथि | संपत्ति का विवरण | आर

PRATHMESH HOSPITAL





मुख्य अतिथि

माननीय श्री विष्णु देव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



अध्यक्षता

माननीय डॉ. रमन सिंह जी
विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

मा. श्री तोखन साहू जी
केंद्रीय राज्य मंत्री

मा. श्री अरुण साव जी
उपमुख्यमंत्री, छ.ग.

मा. श्री विजय शर्मा जी
उपमुख्यमंत्री, छ.ग.

मा. श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी
स्वास्थ्य मंत्री, छ.ग.

मा. श्री लखन लाल देवांगन जी
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, छ.ग.

मा. श्री ओ. पी. चौधरी जी
वित्त मंत्री, छ.ग.

मा. श्री रामविचार नेताम जी
कृषि मंत्री, छ.ग.

मा. श्री केदार कश्यप जी
वन मंत्री, छ.ग.

मा. श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े जी
महिला एवं बाल विकास मंत्री, छ.ग.

मा. श्री टंकराम वर्मा जी
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री, छ.ग.

मा. श्री गुरु खुशवंत साहेब जी
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा मंत्री, छ.ग.

मा. श्री रमेश बैस जी
पूर्व राज्यपाल

मा. श्री बृजमोहन अग्रवाल जी
सांसद, रायपुर

मा. श्री विजय बघेल जी
सांसद, दुर्ग

मा. श्री किरण देव जी
विधायक-जगदलपुर एवं
प्रदेश अध्यक्ष भाजपा (छ.ग.)

मा. श्री अजय चंद्राकर जी
विधायक, कुरूद

मा. श्री राजेश मूणत जी
विधायक, रायपुर पश्चिम

मा. श्री सुनील सोनी जी
विधायक, रायपुर दक्षिण

मा. श्री मोतीलाल साहू जी
विधायक, रायपुर ग्रामीण

मा. श्री पुरंदर मिश्रा जी
विधायक, रायपुर उत्तर

मा. श्रीमती संगीता सिन्हा जी
विधायक, संजारी बालोद

मा. श्री आशाराम नेताम जी
विधायक, कांकेर

मा. श्री संदीप साहू जी
विधायक, कसडोल

मा. श्री दीपेश साहू जी
विधायक, बेमेतरा

मा. श्रीमती मीनल चौबे जी
महापौर, रायपुर नगर निगम

मा. श्री राजीव अग्रवाल जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल
डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (CSIDC)

मा. श्री सत्यनारायण शर्मा जी
पूर्व विधायक

मा. श्री कुलदीप जुनेजा जी
पूर्व विधायक

मा. श्री सतीश थौरानी जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स

मा. श्री निरेंद्र साहू जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहू संघ

मा. श्री अमित साहू जी
प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

विश्वस्तरीय सुविधाएँ

- 125 बेड्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप
- 1 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में 1 लाख से अधिक वर्गफीट में निर्मित पूर्णतः वातानुकूलित हॉस्पिटल
- 20+ ब्रॉड एवं सुपर स्पेशियलिटी विभाग
- विश्वस्तरीय न्यूरोसाइंसेस सेंटर
- मध्य भारत की सबसे उन्नत कार्डियक यूनिट
- वूमेन एंड चाइल्ड केयर सेंटर
- 50+ बेड्स मॉड्यूलर आईसीयू
- 5 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
- अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी और न्यूरोरिहैबिलिटेशन सेंटर
- सर्वसुविधायुक्त रेडियोलॉजी एवं पैथोलॉजी

विश्वस्तरीय सुविधाएँ

- न्यूरोसाइंसेस सेंटर
- कार्डियक साइंसेस सेंटर
- वूमेन एंड चाइल्ड केयर सेंटर
- ट्रॉमा एवं इमरजेंसी सेंटर
- फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर

अनुभवी चिकित्सकों की टीम

डॉ. सारिका साहू
MBBS, MD, FICOG, FMAS, CIMP
Obstetrician & Gynaecologist

डॉ. राजीव साहू
MBBS (Gold Medalist), MS
Mch (Neurosurgery)
Brain and Spine Neurosurgeon

डॉ. गौरव त्रिपाठी
MBBS (Honours), MD (Medicine)
DM (Cardiology), FSCAI
Cardiologist

डॉ. सुलभ चंद्राकर
MBBS, MD Medicine
DM (Cardiology)
Cardiologist

डॉ. अजीत शदानी
MBBS, MD (General Medicine)
General Medicine

डॉ. मोहित पटेल
MBBS, MS (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon

डॉ. पारुल दुबे
MBBS, DNB
Pediatrician

डॉ. परिणीता रायस्त
MBBS, DGO, FMAS, CIMP
Obstetrician & Gynaecologist

डॉ. नमन चंद्राकर
MBBS, MS (General Surgery)
Mch (Neurosurgery) (Gold Medalist)
Neurosurgeon

डॉ. संतोष साहू
MBBS (Gold Medalist), D. Ortho.
Orthopedician

डॉ. कृष्णानंद
MBBS, MS, Mch
Plastic & Cosmetic Surgeon

डॉ. नासिर अली
MBBS, MD
Anaesthesiologist

डॉ. सुरेश सिंह
MBBS, MS, Mch (Urology)
Urologist, Andrologist & Transplant Surgeon

डॉ. मनीषा
MBBS, MD Medicine, DM (Nephrology)
Nephrologist

डॉ. पीतांबर पटेल
MBBS, DNB, DrNB (Critical Care)
Intensivist

डॉ. दिनेश श्रेय
MBBS, MD
Ophthalmologist

डॉ. पी. चंद्राकर
MD
Clinical Oncologist

डॉ. रविश कुमार
MBBS, MD
Radiologist

डॉ. प्रियंवदा त्रिपाठी
MBBS (Honours), MD
Pathologist

डॉ. एम. फैज़ान खान
BPT, MPT (Ortho)
Physiotherapist

डॉ. ज्योति साहू
BPT, MPT (Neuro)
Physiotherapist

विभाग

- न्यूरोसर्जरी
- कार्डियोलॉजी
- स्त्री एवं प्रसूति रोग
- जनरल मेडिसिन
- जनरल एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
- ऑर्थोपेडिक एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी
- पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी
- नेफ्रोलॉजी
- क्रिटिकल केयर
- एनेस्थीसियोलॉजी
- रेस्पिरेटरी मेडिसिन
- न्यूरोलॉजी
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
- कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी
- डेंटल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
- ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन
- यूरोलॉजी
- बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी
- फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन
- मनोचिकित्सा
- कान, नाक, गला रोग
- नेत्र रोग

NH-30, अमलीडीह रोड, देवपुरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) | +91 9243433636, 9243433838
info@prathmesh.one | prathmeshhospital.com | Follow us:

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com